

कब्जाई जमीनों पर बनेंगी गरीबों की हवेलियां-योगी

वाराणसी,संवाददाता । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार निर्माण समेत बड़े कार्य कर सकती है, लेकिन उसके संरक्षण व सुरक्षा की जिम्मेदारी जागरूक समाज व जनता की होती है। यदि जनता जागरूक नहीं है तो बड़े से बड़े निर्माण को भी धराशायी होने में देर नहीं लगती। प्रयागराज में माफिया ने जमीन पर कब्जा कर लिया था, उसे खाली कराकर सरकार गरीबों, दलितों, वंचितों के लिए हाईराइज बिल्डिंग बनाने जा रही है। यूपी में माफिया की जगह सिर्फ मिट्टी में है और कब्जाई गई जमीनों पर गरीबों के लिए हवेलियां बनेंगी। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को स्वच्छता मित्र सम्मान समारोह में नगर निगम व जल निगम के स्वच्छता मित्रों को सम्मानित किया। उन्होंने स्वच्छता मित्रों पर पुष्पवर्षा की और उन्हें भोजन भी परोसा। कबीरचौरा स्थित सरोजा पेलेस में आयोजित इस समारोह में जन-कल्याणकारी कार्यों के संदर्भ में लघु फिल्म दिखाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता मित्र स्थानीय सांसद एवं विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता पीएम नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ काशी



मिशन को धरातल पर उतार रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि स्वच्छता कर्मी नींव के पत्थर हैं, जो दिखते नहीं हैं, लेकिन इमारत इसी पर खड़ी होती है। सर्दी, गर्मी, बरसात, आंधी-तूफान, त्योहार में भी स्वच्छता मित्र सड़कों पर उतरकर समाज को स्वच्छ वातावरण देते हैं। पहले आपका माहौल उत्सवमय करते हैं और अंत में अपने बच्चों का त्योहार मनवाते हैं। कुछ लोग अपने कृत्यों व कारनामों से गंदगी फैलाते हैं, लेकिन बड़ा तबका अपने पुरुषार्थ व परिश्रम से आमजन को स्वच्छ वातावरण देता है। स्वच्छता कर्मियों के कारण ही प्रयागराज महाकुंभ स्वच्छ, दिव्य-भव्य हो पाया था। वहां 66 करोड़ श्रद्धालु आए और स्वच्छता की प्रशंसा की।काशी बदल चुकी है। पीएम मोदी के

नेतृत्व में अविनाशी काशी का कायाकल्प हुआ है। जिस काशी की संकरी गलियों में 2014 से पहले गंदगी का अंबार था। सड़कों पर गोवंश व सांड घूमते थे। बिजली के लिए तरसना पड़ता था। बदहाल घाट, जाम और गंदगी काशी की पहचान और नियति बन चुकी थी। 2017 से पहले माफिया काशी में गरीब, व्यापारी की जमीन पर कब्जा कर भय फैलाते थे, परंतु लेकिन अब काशी नई आभा, नए कलेवर के साथ आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए बढ़ रही है। सीएम ने विपक्ष पर तंज कसा कि मंथरा बुद्धि वालों की दुर्गति किसी से छिपी नहीं है। हर जागरूक नागरिक का दायित्व है कि सच के साथ खड़े हों, सत्य को धरातल पर उतारें और सुरक्षा-संरक्षण की

- मुख्यमंत्री ने वाराणसी में किया स्वच्छता मित्रों का सम्मान
- लोकप्रिय जनप्रतिनिधि वही, जिसकी हर घर में पहुंच हो

जिम्मेदारी लें। उन्होंने सपा पर तंज कसते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि को भी जागरूक होना चाहिए। जब जनप्रतिनिधि 1 ही 12 बजे सोकर उठेगा और परिवार को ही समाज व प्रदेश मानने की भूल करेगा तो दुर्गति तय है। जिन लोगों ने समाज, प्रदेश व देश को परिवार माना, वही परिवर्तन ला सकते हैं। काशी में विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी द्वारा 19 जुलाई से 2 अक्टूबर 76 दिवसीय तक चलाए गए वार्ड प्रवास एवं स्वच्छता अभियान को नवनिर्माण का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह अवधि बरसात की थी, लेकिन थोड़ी सतर्कता व सफाई रखी जाए तो डेंगू, कालाजार, मलेरिया, इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारियां नजदीक नहीं आ सकहीं। सीएम ने जागरूकता पर बल देते हुए कहा कि सरकार ने जो निर्माण कराया है, सभी नागरिक उसकी सुरक्षा

व संरक्षण करें, किसी को क्षति न पहुंचाने दें। लोकप्रिय जनप्रतिनिधि वही है, जिसकी हर घर में पहुंच हो। जनप्रतिनिधि यों को क्षेत्र में अधिक से अधिक समय देना चाहिए। सीएम ने आमजन को जिम्मेदारी का अहसास कराते हुए कहा कि हम प्रकृति से ले रहे हैं, लेकिन दे क्या रहे हैं। ऐसे में शुद्ध पर्यावरण के लिए पीएम मोदी का मिशन 'एक पेड़ मां के नाम' सबसे उपयुक्त है। समस्या का समाधान सिर्फ संवाद है। नगर निगम, विकास प्राधिकरण, स्थानीय प्रशासन व शासन के विभिन्न विभाग इस अभियान का हिस्सा बनते हैं। कार्य करने के लिए हर कोई तैयार है, कार्य लेने वाला चाहिए। हर चीज में शिकायती लहजा नहीं होना चाहिए। कार्य कराने की प्रवृत्ति भी होनी चाहिए। ऐसे कार्यक्रम अन्य जनप्रतिनिधियों के लिए भी प्रेरणा हैं।

पीएम मोदी ने लद्दाख को दी 3350 करोड़ की सौगात नए टर्मिनल का उद्घाटन, पीएम मोदी बोले-नई एनर्जी मिलेगी

जम्मू,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि लद्दाख के युवाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, नयी प्रौद्योगिकी सीखने के अवसर प्राप्त हों और उन्हें इसके लिए दूसरे शहरों पर निर्भर न रहना पड़े। मोदी ने लद्दाख में हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे और सामरिक सड़क संपर्क से जुड़ी लगभग 3,350 करोड़ रुपये की पांच विकास परियोजनाओं का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन करते हुए कहा कि जम्मू स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) के परिसर स्थापित करने के प्रस्तावों को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन शैक्षणिक केंद्रों के माध्यम से लद्दाख के युवा उच्च शिक्षा, अनुसंधान और नए कौशल सीखने के बेहतर अवसरों का लाभ अपने ही क्षेत्र में उठा सकेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, “हमारा विशेष ध्यान लद्दाख की नयी पीढ़ी पर है। युवाओं को अच्छी शिक्षा मिले, नयी प्रौद्योगिकी



सीखने का मौका मिले और उन्हें अन्य शहरों पर निर्भर न रहना पड़े। यही कारण है कि लेह में एक प्रमुख उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जा रहा है।” उन्होंने कहा कि आज लद्दाख की प्रगति और विकास में एक और अध्याय जुड़ रहा है तथा उन्हें इस अवसर का हिस्सा बनने की बेहद खुशी है। मोदी ने कहा, “आज कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है। ये परियोजनाएं लद्दाख के लोगों के लिए सफर आसान बनाएंगी, कुछ इलाकों में बिजली की सुविधाओं में सुधार करेंगी, कुछ में पानी की उपलब्धता बढ़ाएंगी और हमारी प्राचीन विरासत के संरक्षण को मजबूत करेंगी।”

अधिकारियों ने बताया कि इन परियोजनाओं में लेह स्थित कुशोक बकुला रिमोची हवाई अड्डे पर 640 करोड़ रुपये की लागत से बना नया यात्री टर्मिनल भवन भी शामिल है। उन्होंने बताया कि 23,800 वर्ग मीटर में फैले इस आधुनिक टर्मिनल को प्रति वर्ष 35 लाख यात्रियों की सुविधा के लिए डिजाइन किया गया है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए भूतापीय ऊर्जा का उपयोग करते हुए यह टर्मिनल भवन लद्दाख में पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील वातावरण में टिकाऊ बुनियादी ढांचे के महत्व को दर्शाता है।

एक करोड़ रुपये की घूस मांगने पर एसएफआईओ उपनिदेशक और वकील गिरफ्तार

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने डीएचएफएल ऋण घोटाले से जुड़े मामले में एक नेता-सह-व्यवसायी से एक करोड़ रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में ‘गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय’ (एसएफआईओ) में पदस्थ भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के एक अधिकारी और दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने 2017 बैच के आईआरएस अधिकारी हरीश कुमार तंवर, चेन्नई स्थित एसएफआईओ में उपनिदेशक के पद पर तैनात अधिकारी, दिल्ली के अधिवक्ता भरत शर्मा और उनके रिश्तेदार आर्यन शर्मा को गिरफ्तार किया है। इन पर रिश्वत की पेशगी के तौर पर 20 लाख रुपये लेने का आरोप है। जांच एजेंसी के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि सीबीआई की प्राथमिकी के अनुसार, तंवर और शर्मा ने शिकायतकर्ता को 34,000 करोड़ रुपये के डीएचएफएल ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मामले में एसएफआईओ की जांच में कथित तौर पर फायदा पहुंचाने के बदले एक करोड़ रुपये की अनुचित मांग की थी।

सीईसी ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगा

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ टीवीके, उसकी प्रमुख सहयोगी कांग्रेस और ‘इंडिया’ गठबंधन के अन्य घटक दलों ने ‘लोकतंत्र की हत्या’ के लिये मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को चेन्नई में प्रदर्शन शुरू किया। टीवीके, उसकी प्रमुख सहयोगी कांग्रेस और विदुथलाई चिरुथाइगल काची (वीसीके) समेत ‘इंडिया’ गठबंधन के अन्य घटक दलों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन में भाग लिया।

क्या न्याय मांगना अपराध है ?

अंकिता भंडारी के माता-पिता की हिरासत पर भड़के खरगे

सत्ता का यह दमन सरकार की ताकत नहीं, बल्कि सवालों से भागने का प्रमाण है। एक बेटी को खो चुके माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है। अंकिता बेटी को न्याय दिलवाने के लिए कांग्रेस संघर्ष करती रहेगी।

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अंकिता भंडारी के माता-पिता की हिरासत को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। खरगे ने इस कार्रवाई को मोदी सरकार की कायरता और असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा करार दिया है। अपने एक्स हैंडल पोस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि न्याय की गुहार लगा रहे माता-पिता को हिरासत में ले लिया गया, जबकि भाजपा के एक वीआईपी को राज्यपाल पद से सम्मानित किया गया। सत्ता का यह दमन सरकार की ताकत नहीं, बल्कि सवालों से भागने का प्रमाण है। एक बेटी को खो चुके माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है। कांग्रेस अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी इस लड़ाई से पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने आगे कहा , बेटी को खो चुके माता-पिता के साथ

सीबीआई जांच पूरी न हो जाए। इसी बीच, कांग्रेस नेताओं पवन खेड़ा, ज्योतिमणि और इमरान प्रतापगढ़ी ने हिरासत में लिए जाने के बाद पुलिस स्टेशन के अंदर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं पवन खेड़ा, सुप्रिया श्रीनाते और काजी निजामुद्दीन ने पुलिस कार्रवाई की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि अधिकारी अंकिता भंडारी के लिए न्याय की मांग करने वालों को निशाना बनाया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने सिविकम के राज्यपाल के रूप में गौतम की नियुक्ति को तब तक रोक दिया जाए, जब तक कि इस मामले में चल रही

राजकोट में रिफाइनरी कर्मों की हत्या कर 1.53 करोड़ की लूट, नौ आरोपी गिरफ्तार

राजकोट,एजेंसी। गुजरात के राजकोट शहर में कीमती धातुओं की रिफाइनरी के एक कर्मचारी की गोली मारकर हत्या करने और करीब 1.53 करोड़ रुपये मूल्य का सोना-चांदी लूटने के मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राजकोट जोन-एक की पुलिस उपायुक्त हेतल पटेल ने बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी राज्य के बाहर के रहने वाले हैं और लूटी गई संपत्ति बरामद कर ली गई है। उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया कि थोराला थाना क्षेत्र में स्थित सोना-चांदी रिफाइनरी तन्वी एक्सपेक्टर्स इंडिया लिमिटेड के कर्मचारी लालजीभाई सरधारा (53) पर बुधवार शाम चार अज्ञात लोगों ने हमला किया था। प्राथमिकी के अनुसार, सरधारा रिफाइनरी से 946 ग्राम वजन की सोने की छड़ें और दो किलोग्राम परिकृत चांदी के पाउडर से भरा बैग लेकर निकले थे।

धर्म बदलने पर नहीं मिलेगा आरक्षण

तमिलनाडु सरकार को सुप्रीम कोर्ट का झटका, जानिए क्या है पूरा मामला ?

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को बड़ा झटका देते हुए मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें इस्लाम अपनाने वाले व्यक्ति को पुराने सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर पिछड़ा वर्ग आरक्षण का लाभ देने से इनकार किया गया था। जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस चंद्रशेखर की बेंच ने साफ कहा कि

जो व्यक्ति हिंदू सामाजिक व्यवस्था से किसी गैर-हिंदू सामाजिक व्यवस्था में चला जाता है, वह केवल धर्म परिवर्तन से पहले की अपनी सामाजिक स्थिति (पिछड़ेपन) के आधार पर संविधान के अनुच्छेद 16(4) के तहत मिलने वाले विशेष लाभों (अफर्मेटिव एक्शन) का दावा नहीं कर सकता।

सुप्रीम कोर्ट

हिंदू सामाजिक व्यवस्था से किसी दूसरे धर्म में जाने के बाद व्यक्ति को पुरानी सामाजिक स्थिति के आधार पर आरक्षण का लाभ अपने आप नहीं मिल सकता। राज्य सरकार ने हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन बेंच ने उसकी अपील खारिज कर दी। तमिलनाडु सरकार ने 9 मार्च 2024 को एक सरकारी आदेश जारी किया था। इसमें कहा गया था कि पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, विमुक्त समुदायों या अनुसूचित जाति से आने वाला कोई व्यक्ति इस्लाम अपनाने के बाद भी कुछ शर्तों के तहत पिछड़ा वर्ग मुस्लिम माना जा सकता है।

PRESS

हमेशा आपके साथ

शहर समता

संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

Website

www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube

youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

घर में घुसकर डिग्री कॉलेज के कर्मचारी की गोली मारकर हत्या, लोगों ने हमलावर को भी किया अधमरा

प्रयागराज। शहर में सीएम योगी के आने कुछ देर पहले गोली मारकर हत्या से सनसनी फैल गई। सलोरी में घर में घुसकर ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के कर्मचारी सतीश श्रीवास्तव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बृहस्पतिवार को हुई वारदात में पेट में गोली लगने से उनकी हालत गंभीर हो गई थी। इसी इलाके के तेलियरगंज में आज सीएम योगी का कार्यक्रम है। लोगों ने हमलावर को भी पीट–पीटकर अधमरा कर दिया है।

सलोरी में घर में घुसकर ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के कर्मचारी सतीश श्रीवास्तव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बृहस्पतिवार को हुई वारदात में पेट में गोली लगने से उनकी हालत गंभीर हो गई थी। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। वारदात के पीछे जमीनी विवाद बताया जा रहा है। गोली मारने का आरोप एक शासकीय अधिवक्ता पर लगा है। घटना की सूचना मिलने पर कर्नलगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों ने हमलावर को भी पीट–पीटकर हमला कर दिया है। वह हाईकोर्ट में अपर शासकीय अधिवक्ता बताया जा रहा है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरु कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि जमीनी विवाद समेत घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर मुख्यमंत्री सीएम योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम होना है। मुख्यमंत्री के आगमन से कुछ देर पहले ही डिग्री कॉलेज के कर्मचारी की गोली मारकर हत्या से कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

पुलिस चौकी पर युवक ने जमकर मचाया हंगामा, फाइल और कुर्सी मेज को फेंका बाहर

प्रयागराज। नैनी थाना के गंगोत्री नगर पुलिस चौकी पर एक नशे का आदी युवक ने जमकर हंगामा किया। बृहस्पतिवार सुबह करीब 11.00 के आसपास युवक चौकी पर पहुंचा। उसे समय चौकी पर कोई भी पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था। नैनी थाना के गंगोत्री नगर पुलिस चौकी पर एक नशे का आदी युवक ने जमकर हंगामा किया। बृहस्पतिवार सुबह करीब 11रू00 के आसपास युवक चौकी पर पहुंचा। उसे समय चौकी पर कोई भी पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था। युवक चौकी के अंदर रखी फाइलों को फेंकने के साथ मेज और कुर्सी को भी बाहर फेंक दिया। साथ ही बाहर निकाल कर शहर के एक मंत्री व पुलिस विभाग के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए लोगों को लाठी लेकर दौड़ा लिया। युवक फोटो और वीडियो बनाने वाले पर हमला कर रहा था। चौकी पर युवक की ओर से हंगामा किए जाने की सूचना पर नैनी इंस्पेक्टर अविनाश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और युवक को काबू में किया। युवक की पहचान चाका गांव में रहने वाले महावीर के रूप में हुई है।

खेलकूद में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को किया गया सम्मानित

प्रयागराज। मंडल स्तर की हुई खेलकूद प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। बुधवार को मेजा के उच्च प्राथमिक विद्यालय कोना में आयोजित सम्मान समारोह में बच्चों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि शिवसेना की प्रदेश सचिव रुचि तिवारी ने कहा कि खेल से



विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली बच्चों को उचित प्रोत्साहन और अवसर प्रदान करना आवश्यक है। जिससे वे भविष्य में भी नई उपलब्धियां हासिल कर सकें। प्रतियोगिताओं में तैराकी में मेजा की छात्रा सोनम, आदर्श, शिवांशी, आशनी और शशि ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं, कराटे में मुकेश, अनिकेत, शिवांशी ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। इसके अतिरिक्त राज्य स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता में यूपीएस मेजा की रोली विश्वकर्मा एवं मोहम्मद अंसार ने अच्छा प्रदर्शन कर मेजा का मान बढ़ाया है। कार्यक्रम में प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष मनीष तिवारी, अवनीश मिश्र, अनुराग पांडेय, विवेकानंद पांडेय, अशोक तिवारी सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

फलों के दाम चढ़े, व्रतियों की जेब पर महंगाई की मार

प्रयागराज। नवरात्र शुरु होते ही फलों की मांग बढ़ने से कीमतों में उछाल आया है। केला, अनार, पपीता और संतरा महंगा होने से व्रत रखने वाले परिवारों का बजट बिगड़ रहा है। बहरिया क्षेत्र के दोनेया चौराहे की मंडी में नवरात्र के दौरान फलों की खरीदारी बढ़ गई है। मांग बढ़ने के साथ कई फलों के दाम चढ़ गए हैं। हालांकि, व्यापारियों का कहना है कि मंडी में फलों की आवक पहले जैसी बनी हुई है। फल व्यापारी संतलाल ने बताया कि नवरात्र में हर साल फलों की मांग बढ़ती है। इस बार भी मांग बढ़ने से कीमतों में इजाफा हुआ है। दुकानदार रमेश कुमार के मुताबिक, केला नवरात्र से पहले 30 रुपये दर्जन बिक रहा था, जो अब बढ़कर 50 से 60 रुपये दर्जन हो गया है। फलों के दाम बढ़ने से व्रत रखने वाले परिवारों को अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है।



नीति आयोग के केंद्रीय प्रभारी ने किया औचक निरीक्षण

प्रयागराज के एक सड़क पर

प्रयागराज। आकांक्षी ब्लॉक के रूप में चयनित बहरिया में संचालित विकास योजनाओं की जमीनी हकीकत परखने के लिए नीति आयोग के केंद्रीय प्रभारी सुभाष चंद्रा ने बुधवार को विभिन्न विभागों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में केंद्रीय प्रभारी सबसे पहले वीरापुर स्थित आहार लघु उद्योग इकाई पहुंचे। वहां उन्होंने इकाई के संचालन, उत्पादन और कर्मचारियों की कार्य–दशा का जायजा लिया तथा कर्मचारियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मैलहा का औचक निरीक्षण किया। वहां उपस्थित मरीजों से स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में पूछा और दवाओं की उपलब्धाता, स्टॉफ की उपस्थिति व साफ–सफाई की स्थिति की समीक्षा की। केंद्रीय



प्रभारी छाता गांव पहुंचे, जहां उन्होंने ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति देखी और ग्रामीणों से योजनाओं के लाभ के बारे में फीडबैक लिया।

निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, कृषि और ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं का आकलन करना

प्रयागराज के एक सड़क पर

और यह देखना था कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक पहुंच रहा है या नहीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से उनके कार्यक्षेत्र की प्रगति रिपोर्ट तलब की और आकांक्षी ब्लॉक के मानकों पर खरा उतरने के लिए विभागों में बेहतर समन्वय पर जोर दिया।

प्रयागराज के एक सड़क पर

तत्कालीन सीएमओ और शंकरगढ़ सीएचसी अधीक्षक ने अमिलिया तरहार पहुंचकर अस्पताल का निरीक्षण किया,



तो उम्मीद फिर से जगी। निरीक्षण के कुछ ही दिनों बाद जब अस्पताल परिसर की साफ–सफाई हुई और दीवारों पर ताजा रंग–रोगन (पेंटिंग) हुआ, तो ग्रामीणों को लगा कि अब सालों का इंतजार खत्म होने वाला है। लेकिन, वह पेंटिंग भी महज एक दिखावा साबित हुई। सफाई के कुछ दिनों बाद

है इलाज

अस्पताल के चालू न होने की सबसे बड़ी कीमत क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं और महिला मरीजों को चुकानी पड़ रही है। आपातकालीन स्थिति में तरहार क्षेत्र के ग्रामीणों को 20 किलोमीटर दूर शंकरगढ़ या जसरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाना पड़ता है। कई बार सही

प्रयागराज के एक सड़क पर

कर्मचारी उपलब्ध न होने की वजह से इसे शुरु नहीं किया जा सका है। फिलहाल, शासन को हाल ही में पत्र लिखकर भेजा गया है। उम्मीद है कि जल्द ही कर्मचारी उपलब्ध हो जाएंगी। इसलिए अस्पताल की मरम्मत कराई गई है। —डॉ. एके तिवारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, प्रयागराज

प्रयागराज के एक सड़क पर

तीसरे दिन भी कर्मचारियों ने दो घंटे तक किया कार्य बहिष्कार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश एड्स कंट्रोल सोसाइटी कर्मचारी संघ के करीब 30 कर्मियों ने बुधवार को तीसरे दिन भी दो घंटे कार्य का बहिष्कार किया। सुबह आठ से 10 बजे तक काली पट्टी बांधकर किए गए इस बहिष्कार से एआरटी, आईसीटीसी, एसटीआई और ओएसटी सेंटरों का कार्य ठप रहा, जिससे मरीजों और तीमारदारों को परेशानी हुई। संघ के जिलाध्यक्ष आशीष दिवेदी ने बताया कि उनकी 1० सूत्री मांगें लंबे समय से लंबित हैं। शासन बार–बार मांग करने पर भी इन्हें पूरा नहीं कर रहा है। मजबूरन कर्मियों को दो घंटे कार्य बहिष्कार कर हड़ताल पर जाना पड़ रहा है। यदि मांगें नहीं मानी गईं तो 16 अक्तूबर से संपूर्ण कार्य का बहिष्कार होगा। वे एनएचएम कर्मियों की तरह अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल करेंगे। इस दौरान अजय, सरोजा, राकेश, एके मौर्य और मिथिला तिवारी मौजूद रहे।

इधर, सुखपाल नगर के तीमारदार राम खेलावन यादव ने बताया कि उनकी बहू गर्भवती है। डॉक्टर ने एचआईवी जांच के लिए कहा था। मंगलवार को जांच कराई थी, पर रिपोर्ट नहीं मिली। अस्पताल आने पर भी दो घंटे बाद तक रिपोर्ट नहीं मिल पाई। लालगंज अझारा की सविता शुक्ला ने बताया कि उनकी बेटी प्रसव पीड़ा से परेशान है। एचआईवी जांच न होने से डॉक्टर ऑपरेशन को तैयार नहीं हैं। इमरजेंसी में आने वाले मरीजों की जांच कर रिपोर्ट देने के लिए कर्मचारियों से कहा गया है। लापरवाही करने पर कार्रवाई होगी।— डॉ. एस हैदर, उप मुख्य चिकित्साधिकारी।

अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या, भाजपा नेता भी घायल, प्रयागराज में सनसनीखेज वारदात

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक अधिवक्ता सतीश चंद्र श्रीवास्तव की गोली मारकर हत्या की दी गई। गोली मारने का आरोप देवेंद्र मिश्रा पर लगा है। घटना को लेकर बड़ी संख्या में वकील जुट गए। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से सनसनीखेज मर्डर की खबर सामने आ रही है। यहां कर्नलगंज थानाक्षेत्र के सैलरी इलाके में एक अधिवक्ता सतीश चंद्र श्रीवास्तव की गोली मारकर हत्या की दी गई। वहीं चापड़ से हमला कर भाजपा विधि प्रकोष्ठ काशी प्रांत के पूर्व संयोजक व अपर शासकीय अधिवक्ता देवेंद्र मिश्र घायल किया गया है। गोली मारने का आरोप देवेंद्र मिश्रा पर लगा है। घटना को लेकर बड़ी संख्या में वकील जुट गए। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। दिनदहाड़े हुई इस मर्डर के बाद लोगों में दहशत फैल गई। बड़ी संख्या में वकील जुट गए हैं। मृतक सतीश श्रीवास्तव के क शव को स्वरूपरानी अस्पताल के ट्रामा सेंटर में रखकर अधिवक्ता और परिजन हंगामा कर रहे हैं। इसलिए इमरजेंसी में मरीजों को भर्ती नहीं किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि सलोरी के काटजू बाग कॉलोनी में अधिवक्ता और भाजपा विधि प्रकोष्ठ काशी प्रांत के पूर्व संयोजक देवेंद्र नाथ मिश्रा तथा जिला न्यायालय के वकील सतीश चंद्र श्रीवास्तव का आमने–सामने घर है। मिल रही जानकारी के मुताबिक दोनों के बीच जमीन का विवाद काफी दिन से चल रहा है। पुलिस देवेंद्र पर चापड़ से हमला हुआ है, इसके बाद पिस्टल से सतीश के पेट में गोली मार दी गई। बड़ी संख्या में वकील जुट गए हैं। वारदात के बाद हत्यारा फरार हो गया। उधर मौके पर पहुंची पुलिस गहनता से मामले की जांच–पड़ताल कर रही है। बड़ी संख्या में मौके पुलिस बल तैनात है। पुलिस ने मुख्य आरोपी देवेंद्र मिश्रा, उनकी पत्नी और बेटे को हिरासत में लेने का दावा किया है।

सपा कार्यालय में मनाई गई डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती

प्रयागराज। जार्जटाउन स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय देश के पूर्व राष्ट्रपति महान वैज्ञानिक भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती मनाई गई। खास दिन पर सपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने डॉ. कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित किया। इस अवसर पर एमएलसी डॉ. मानसिंह यादव ने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन सादगी, परिश्रम, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा की मिसाल है। मिसाइल एवं अंतरिक्ष अनुसंधान में योगदान के कारण उन्हें मिसाइल मैन कहा जाता है। जिलाध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि डॉ. कलाम युवाओं को बड़े सपने देखने और मेहनत से उन्हें साकार करने की प्रेरणा देते हैं। महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन ने उनके व्यक्तित्व और विनम्रता को आदर्श बताया। कार्यक्रम में दान बहादुर मधुर, रविंद्र यादव, जगदीश सिंह, महबूब उस्मानी, अजय यादव, मेजर दिनेश यादव, मो. शारिक, तारिक सईद अज्जू, संतोष यादव, आरएन यादव, सचिन श्रीवास्तव, दिलीप सोनी, कुलदीप यादव, अरविन्द केसरवानी, सऊद अहमद, संगम लाल मौर्य, शांति प्रकाश, जीतराज हेला, एसबी पांडेय, त्रिभुवन यादव, आरती पाल, पंकज पटेल, मो. हामिद और मकबूल हासमी सहित अन्य मौजूद रहे।

शिव धनुष दूटते ही जय श्रीराम के नारों से गूँजा पंडाल

प्रयागराज। सम्हई में आयोजित रामलीला में मंगलवार की रात धनुष यज्ञ प्रसंग का भव्य मंचन किया गया। भगवान श्रीराम द्वारा शिव धनुष तोड़ने और माता सीता से विवाह का प्रसंग देखकर दर्शक भावविभोर हो उठे। मंचन के दौरान जय श्रीराम के जयकारों से पूरा पंडाल गूँज उठा। धनुष यज्ञ प्रसंग में राजा



जनक द्वारा सीता स्वयंवर का आयोजन किया गया। परशुराम के आगमन का दृश्य भी आकर्षण का केंद्र रहा। कलाकारों ने संवाद और अभिनय के माध्यम से प्रसंग को जीवंत बना दिया। मंचन में राम की भूमिका अमित ओझा, लक्ष्मण की अभिनव ओझा, साधु राजा की उदयचंद्र मौर्य, दुष्ट राजा की लालचंद्र विश्वकर्मा, परशुराम की संकर्षण मिश्रा, जनक की आशु मिश्रा और शतानंद की भूमिका शिवाकांत मौर्या ने निभाई। सभी कलाकारों के अभिनय को दर्शकों ने सराहा। कार्यक्रम में रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अशोक त्रिपाठी व सूर्य नारायण त्रिपाठी सहित कमेटी के पदाधिकारी मौजूद रहे। अतिथियों में दीपा मौर्या, आलोक तिवारी, शुभम तिवारी, राज तिवारी एवं बृजेश मिश्रा ने भी सहभागिता की। रामलीला के माध्यम से धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखने के प्रयास की सराहना की गई।

पहले यूट्यूब पर भेजा लिंक, फिर निवेश के नाम पर 10.28 लाख की साइबर ठगी

प्रयागराज। प्रयागराज के झलवा निवासी दिलीप कुमार से कथित ऑनलाइन गेम में निवेश के नाम पर साइबर ठगों ने 1०.28 लाख रुपये ठग लिए। उन्हें यूट्यूब पर मिले लिंक से एक वेबसाइट पर ले जाया गया, जहां शुरुआत में लाभ के नाम पर कुछ रकम दी गई। बाद में निकासी रोककर उनका खाता ब्लॉक कर दिया गया। साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु की है। झलवा के एक युवक को साइबर अपराधियों ने पहले यूट्यूब पर संदिग्ध लिंक भेजा और फिर कथित गेम में निवेश कराकर 10.28 लाख रुपये की ठगी कर ली। साइबर थाना पुलिस तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। झलवा निवासी दिलीप कुमार की तहरीर के मुताबिक, यू–ट्यूब के माध्यम से एक लिंक मिला, जिसको क्लिक करते हुए एक वेबसाइट मिली। जहां एविटर नामक गेम्स के माध्यम से निवेश का प्रलोभन दिया गया। दिलीप ने झांसे में आकर सात अगस्त से 14 सितंबर के बीच 1०.28 लाख रुपये का निवेश कर दिया। आरोप है कि झांसे में फंसाने के लिए साइबर अपराधियों ने शुरुआत में निवेश के एवज में लाभ के नाम पर कुछ पैसा भी दिए। उनकी वेबसाइट पर लाभ और निवेश की रकम भी दिख रही थी, लेकिन विज्ञाल नहीं हो पा रहा था। अंत में नियम व शर्तों का बहाना बनाकर अकाउंट ही ब्लॉक कर दिया गया। साइबर थाना प्रभारी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की गहनता से पड़ताल की जा रही है।

28 लाख कि्वंटल धान खरीद का लक्ष्य

प्रयागराज। प्रयागराज में इस वर्ष 28 लाख कि्वंटल धान खरीद का लक्ष्य रखा गया है। एक नवंबर से 147 केंद्रों पर खरीद शुरु होगी और यह 28 फरवरी तक चलेगी। सामान्य धान का समर्थन मूल्य 2,441 रुपये तथा ग्रेड—ए का 2,461 रुपये प्रति कि्वंटल तय है। भारी बारिश से फसल को नुकसान हुआ है, जिससे लक्ष्य पूरा करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। जिले में इस बार 28 लाख कि्वंटल धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए एक नवंबर से 147 क्रय केंद्रों पर खरीद शुरु करने की तैयारी है। वहीं पिछले वित्तीय वर्ष 2025–26 में 27 लाख 30 हजार कि्वंटल का लक्ष्य था। खाद एवं रसद विभाग ने 20 अक्तूबर तक सभी केंद्रों पर जरूरी व्यवस्थाएं पूरी करने का लक्ष्य रखा है। वहीं, इस बार सामान्य धान का रेट 2,441 रुपये प्रति कि्वंटल तथा ग्रेड—ए धान 2,461 रुपये प्रति कि्वंटल है। 28 फरवरी तक धान की खरीद की जाएगी। इस बार धान खरीद की राह आसान नहीं दिख रही है। भारी बारिश के कारण जिले में धान की फसल को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है। इससे पैदावार प्रभावित हुआ है। ऐसे में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप धान की खरीद करना विभाग के लिए बड़ी चुनौती है। कर्मचारियों का कहना है कि फसल बर्बाद होने के कारण लक्ष्य पूरा करना मुश्किल हो सकता है। हालांकि, नुकसान का वास्तविक आकलन और खरीद शुरु होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

महानिदेशक ने की आकाशवाणी केंद्र की समीक्षा

प्रयागराज। आकाशवाणी के महानिदेशक राजीव कुमार जैन ने प्रयागराज के दो दिवसीय दौरे के दौरान केंद्र की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों ने उन्हें केंद्र और प्रसारित कार्यक्रमों की जानकारी दी। जैन ने कहा कि प्रसार भारती आने वाले समय में विज्ञापन राजस्व बढ़ाने के निर्देश जारी कर सकता है। उन्होंने केंद्र के विभिन्न अनुभागों और अंदावा, झूंसी स्थित प्रेषण स्थल का



भी निरीक्षण किया। दो दिवसीय दौर पर प्रयागराज आए आकाशवाणी के महानिदेशक राजीव कुमार जैन ने अधिकारियों के साथ केंद्र के प्रगति की समीक्षा की। आकाशवाणी स्टूडियो में आयोजित बैठक में अधिकारियों ने महानिदेशक को केंद्र के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम प्रमुख नेहा गुप्ता ने प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में बताया। महानिदेशक ने कहा कि आने वाले समय में प्रसार भारती विज्ञापन राजस्व बढ़ाने का निर्देश जारी कर सकता है। महानिदेशक ने केंद्र के सभी अनुभाग और अंदावा झूंसी स्थित प्रेषण स्थल का निरीक्षण किया। केंद्र अध्यक्ष कमलेश कुमार गुप्ता, अभियांत्रिकी प्रमुख जयराम सिंह, सहायक निदेशक धीरज कुमार, प्रशासनिक अधिकारी मो. शब्बीर मौजूद रहे।

संक्षिप्त

महा आरती, डांस–सिंगिंग

प्रतियोगिताओं और आकर्षक उपाधियों ने कार्यक्रम में बांधा समां

लखनऊ,संवाददाता। शहर के सन रिसॉर्ट में ‘आवो रे आवो डांडिया उत्सव 2026’ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती आरती एवं दिवम शर्मा द्वारा किया गया। नवरात्रि के उल्लास, भक्ति और सांस्कृतिक रंगों से सजे इस कार्यक्रम की शुरुआत मां दुर्गा की महाआरती से हुई। तत्पश्चात स्नेहा रस्तोगी ने भारत नाट्यम प्रस्तुत किया इसके पश्चात डांडिया संगीत की धुनों पर सैकड़ों युवक–युवतियों ने उत्साहपूर्वक नृत्य कर उत्सव का आनंद लिया। कार्यक्रम में पारंपरिक डांडिया नृत्य के साथ मनोरंजन और प्रतिभा प्रदर्शन के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इनमें टंग दिवस्टर, नृत्य प्रतियोगिता और गायन प्रतियोगिता प्रमुख रहीं। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा और उत्साह से उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया। इस अवसर पर ‘डांसिंग क्वीन’, ‘बेस्ट ड्रेस’ सहित विभिन्न आकर्षक उपाधियां भी प्रदान की गईं।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश माथुर, मंडलीय वार्डन, नागरिक सुरक्षा, राजाजीपुरम रहे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. प्रेरणा मित्र, प्रधानाचार्य, एमिटी स्कूलय गौरव ह्यूमन तथा प्रियंका दीक्षित सहित अन्य गणमान्य अतिथि रुचि माथुर, दीपिका, मीनू , डॉ चारु, कादम्बिनी, अर्चना आदि उपस्थित रहे। आयोजकों ने कार्यक्रम में लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की और आयोजन की सफलता पर सभी प्रतिभागियों, अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार जताया। डांडिया, संगीत, भक्ति और सामूहिक सहभागिता से परिपूर्ण इस आयोजन ने नवरात्रि के उत्सव को यादगार बनाने का प्रयास किया।कार्यक्रम ने पारंपरिक भारतीय संस्कृति, सामुदायिक सहभागिता और उत्सवधर्मिता का सुंदर संगम प्रस्तुत किया।

पत्रकारों के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता–राजेश त्रिवेदी

लखनऊ,संवाददाता। मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के संगठन विस्तार के क्रम में प्रदेश स्तर पर तीन नियुक्तियों के साथ ही कई जिलों में गठन की रूपरेखा तैयार की गई है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजेश त्रिवेदी ने आगामी वर्ष के लिए प्रदेश सचिव मोहम्मद रशीद का कार्यकाल बढ़ाया गया, जबकि निहाल सिंह जेम्स को पदोन्नत कर प्रदेश उपाध् यक्ष तथा प्रदीप त्रिवेदी दीप को प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश प्रवक्ता राकेश कश्यप ने बताया कि खलीक अहमद जाफरी को प्रयागराज मण्डल अध्यक्ष एवं माइकल पॉल को मण्डल महासचिव नियुक्त किया गया। इसी तरह फतेहपुर जनपद के सक्रिय व वरिष्ठ पत्रकार रवि कश्यप को फतेहपुर का जिला अध्यक्ष मनोनीत कर नई जिला इकाई में अनूप कौशल को महासचिव तथा कृष्ण प्रताप सिंह, मैसर अब्बास, हिमांशु सिंह तथा नरेश साहू को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार मनीष मिश्रा, अंकुर शुक्ला, आफताब अहमद, मोहम्मद सैफ, मोहम्मद रसताज को जिला सचिव तथा राहुल सिंह, जतिन पटेल, योगेन्द्र प्रताप सिंह, नूरुल हक, फैजान जाफरी, मोहम्मद अनीस को संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। शानू कुमार को संगठन मंत्री, वसीम शाह राजू को प्रवक्ता तथा अरुण शर्मा, महजबी अंसारी, फरहान मिर्जा को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया। इसके अलावा बाराबंकी में अजय मिश्रा, कानपुर में मो. अकरम अंसारी, गाजियाबाद में समर सिंह राणा को संयोजक नियुक्त किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष डा. राजेश त्रिवेदी ने कहा है कि कई राज्यों में, खासकर दिल्ली में पत्रकारों के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन पत्रकार उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं के खिलाफ आंदोलन चलाएगा।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का 18 को लखनऊ में होगा कार्यकर्ता सम्मेलन

लखनऊ,संवाददाता। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का कार्यकर्ता सम्मेलन 18 अक्टूबर को लखनऊ स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्वेश्वरैया प्रेक्षाग्रह में (राजभवन के सामने) दोपहर 1 बजे आयोजित होगा। उक्त जानकारी देते हुए मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक मोहम्मद अफजाल ने बताया कि मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन 18 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे बजे लखनऊ स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्वेश्वरैया प्रेक्षाग्रह में (राजभवन के सामने) दोपहर 1 बजे आयोजित होगा। उन्होंने ने बताया कि इस कार्यकर्ता सम्मेलन में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ता भाग लेंगे और यह सम्मेलन प्रदेश स्तर का होगा। प्रदेश के सभी जनपदों से मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ता भाग लेने के लिए पहुंचेंगे। अफजाल ने बताया कि इस कार्यकर्ता सम्मेलन में तालीम, तरक्की और तहजीब पर फोकस किया जाएगा। इस कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में अखिल भारतीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एवं मार्गदर्शक मुस्लिम राष्ट्रीय मंच डॉ. इन्द्रेश कुमार भाग लेंगे। इंद्रेश कुमार द्वारा इस अवसर पर मुस्लिम समाज की कैसे तरक्की हो तालीम व शिक्षा की दुश्वारियां कैसे खत्म हो तथा आपसी भाईचारा कैसे कायम हो आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी देंगे तथा कार्यकर्ता सम्मेलन में इस पर रणनीति बनाई जाएगी। कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के देश व प्रदेश के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेंगे।

पर्यटन मंत्री आज से आगरा,

फिरोजाबाद तथा मैनपुरी के भ्रमण पर

लखनऊ,संवाददाता। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह 16 अक्टूबर से आगरा, फिरोजाबाद तथा मैनपुरी के भ्रमण पर रहेंगे। इस अवधि के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। शुक्रवार को आगरा में मुख्यमंत्री के लिए आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात अपराह्न 2 बजे जोगिया के निकट नवनिर्मित माँ कात्यायनी नवदुर्गा मंदिर हाथरस का शुभारम्भ करेंगे। अगले दिन 17 अक्टूबर को पूर्वाह्न 9 बजे से अपराह्न 1 बजे तक ट्रांजिट हास्टल पीब्ल्यूडी पुलिस लाइन के सामने मैनपुरी में जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगे। इसके उपरान्त वी पैक्स जलमपुरी में बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सरकारी समिति लि0 के नये भवन का उद्घाटन करेंगे। अगले दिन रविवार 18 अक्टूबर को कैम्प कार्यालय सिरसागंज फिरोजाबाद में पूर्वाह्न 9:30 बजे से अपराह्न 1 बजे तक आम जनता की समस्याओं की सुनवाई करके स्थानीय प्रशासन को निस्तारण हेतु निर्देश देंगे। 20 अक्टूबर को पूर्वाह्न 10:30 बजे जनपद मैनपुरि किला में महाराजा तंत्र सिंह जुदेव की शोभा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

डॉ. एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय और सीसीआरएच ने होम्योपैथी में एकीकृत अनुसंधान हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर किए

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश में चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा में डॉ. एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान वि्वविद्यालय (एनटीआरयूचएस), विजयवाड़ा और आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) ने आज विश्वविद्यालय परिसर में आधिकारिक तौर पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसे चिकित्सा के क्षेत्र में एक मील के पथर के रूप में माना जा रहा है। यह समझौता आगामी 5 वर्षों तक प्रभावी रहेगा।

इस समझौता ज्ञापन पर सीसीआरएच के महानिदेशक डॉ. सुभाष कौशिक और एनटीआरयूचएस के रजिस्ट्रार डॉ. टी. साई सुधीर द्वारा, माननीय कुलपति डॉ. पी. चंद्रशेखर की उपस्थिति में औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए गए।

इस हस्ताक्षर समारोह में दोनों संगठनों के अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक–2) और समन्वयक, सीसीआरएच, नई दिल्ली की डॉ. अनुप्रिया, डॉ. एनटीआरयूचएस की अनुसंधान निदेशक डॉ. एम. लक्ष्मी सूर्य प्रभा, क्षेत्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान (ल्प्ह) गुड़ीवाडा के सहायक निदेशक (सेवानिवृत्त) डॉ. कोल्ली राजू, सीसीआरएच, गुड़ीवाडा के प्रभारी सहायक निदेशक,डॉ. किशन बानोथ तथा एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य प्रो.

डॉ. आनंद कुमार पिंगली समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि डॉ. एनटीआरयूचएस अंतर–विषयक और एकीकृत स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने के



क्रम में आंध्र प्रदेश भर में 536 स्वास्थ्य विज्ञान संस्थानों के लिए एकीकृत विश्वविद्यालय के रूप में कार्य करता है, जो आधुनिक चिकित्सा, दंत चिकित्सा, आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, नर्सिंग और फिजियोथेरेपी से जुड़े 133 विशिष्ट पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

यह 5 वर्षीय साझेदारी होम्योपैथिक संस्थानों को आंध्र प्रदेश के बहु–विषयक मेडिकल कॉलेजों के साथ सीधे सहयोग करने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करती है। एकीकृत चिकित्सा के लिए भारत सरकार

करना, साक्ष्य–आधारित मॉडल, विभिन्न उपचार के तौर–तरीकों और चिकित्सीय परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए नैदानिक अध्ययन आयोजित करती है। समझौते का मुख्य दायरा नवीनीकरण के प्रावधान के साथ पांच साल के लिए वैध यह समझौता, स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, जीवन विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में सहयोगात्मक विकास के लिए एक रूपरेखा स्थापित करता है इनके अलावा यह संस्थान संसाधन और विशेषज्ञता का

साझाकरण, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकताएं: महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं को लक्षित करने वाली सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन, शैक्षणिक आदान–प्रदान, राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशालाएं, क्षमता–निर्माण कार्यक्रम और प्रशिक्षण मॉड्यूल का संयुक्त आयोजन करती है। इसके अलावा यह संस्थागत सहायता, अध्ययन के डिजाइन, वित्त पोषण और नैदानिक निष्पादन का विवरण देने वाले परियोजना–विशिष्ट प्रोटोकॉल का विकास करने के साथ ही ष्योगी की देखभाल के अंतिम

लाम के लिए चिकित्सा की विभिन्न प्रणालियों में अनुसंधान हमारा प्राथमिक दृष्टिकोण है। सभी स्वास्थ्य सेवा विषयों को समाहित करने वाले एक छत्र विश्वविद्यालय के रूप में, डॉ. एनटीआरयूचएस होम्योपैथी को आधुनिक चिकित्सा, दंत चिकित्सा, आयुष, नर्सिंग और फिजियोथेरेपी के साथ जोड़ने के लिए अद्वितीय रूप से सक्षम है। यह समझौता ज्ञापन आंध्र प्रदेश में साक्ष्य–आधारित एकीकृत स्वास्थ्य सेवा के लिए एक ऐतिहासिक छलांग के प्रतीक मानाज रहा है।

छात्र अभिनव चौबे ने हासिल की ऐतिहासिक सफलता

धनबाद। आईआईटी (आईएसएम्) धनबाद के राष्ट्रीय तकनीकी महोत्सव श्कॉन्सेटो 2026श् में रजजू भैया विश्वविद्यालय के छात्र अभिनव चौबे ने हासिल की ऐतिहासिक सफलता: यूआई/यूएक्स में देश में दूसरा स्थान किया प्राप्तप्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रजजू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वाणिज्य संकाय के लिए आज का दिन एक ऐतिहासिक और अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि का साक्षी बना। विश्वविद्यालय के बी. कॉम. तृतीय सेमेस्टर के मेधावी छात्र अभिनव चौबे ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी – आईएसएम), धनबाद द्वारा आयोजित देश के

असाधारण रचनात्मकता, सुदृढ़ तार्किक क्षमता और उत्कृष्ट तकनीकी कौशल का परिचय देते हुए बहुआयामी सफलता अर्जित की। अभिनव ने महोत्सव के अंतर्गत आयोजित तीन प्रमुख राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शीर्ष

– लॉजिक ओडिसी (स्वहपब क्वे्रू जटिल कोडिंग और तार्किक विश्लेषण की इस विधा में उन्होंने देश भर के मेधावियों के बीच नौवीं रैंक (9जी त्वा) पर अपना नाम दर्ज कराया। अभिनव की इस अभूतपूर्व विश्लेषणात्मक कौशल की सराहना करते हुए कहा कि विभाग निरंतर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अभिनव को आगामी भविष्य में नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।इस विशेष उपलब्धि पर वाणिज्य विभाग के शिक्षक डॉ. पार्वती अग्रहरि, डॉ. अंशुमान सिंह एवं डॉ. माहरुख खान सहित विभाग के समस्त शिक्षकों ने अभिनव को मिठाई

खिलाकर अपनी शुभकामनाएं दीं। सभी शिक्षकों ने एक सुर में कहा कि अभिनव ने राष्ट्रीय पटल पर विश्वविद्यालय और विभाग का नाम रोशन कर पूरे संस्थान को गौरवान्वित किया है। यह सफलता अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन और संपूर्ण वाणिज्य संकाय अभिनव चौबे के इस सराहनीय प्रदर्शन पर अत्यंत आनंदित है और उनके उत्ज्वल व स्वर्णिम भविष्य की कामना करता है।

भारतीय संगीत की धरोहर थाईलैंड में गूंजेगी: डॉ. रंजना त्रिपाठी इंटरनेशनल योगा समिट 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी

प्रयागराज। भारत की समृद्ध संगीत परम्परा और योग संस्कृति का वैश्विक संगम थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में देखने को मिलेगा। आर्य कन्या डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर डॉ. रंजना त्रिपाठी को इंटरनेशनल योगा समिट 2026 में विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया है। उत्तर प्रदेश से एकमात्र सुप्रसिद्ध मंच संचालिका डॉ. रंजना त्रिपाठी को देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलने पर प्रयागराज का प्रबुद्ध समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है। यह प्रतिष्ठित समिट ग्लोबल योग अलायंस, भारत द्वारा ज्ञा्तमससदमें स्परअपदह, बैंकाक के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें ग्लोबल योग मिशन – “योगा फॉर हीलिंग, हेल्थ एंड हैप्पीनेस” का शुभारम्भ होगा। कार्यक्रम का विषय ‘मैद प्दकपै’पदहे, जैम’वनस स्पेजमद –। कंल वॉडमसक्कल, तैलजीउ – व्नसजनतंस व्भेउवदह’ है, जो 24 अक्टूबर 2026, दिन शनिवार को प्रातः 8रू00 बजे से दोपहर 1रू30 बजे तक ज्ञा्तमससदमें स्पअपदह, बैंकाक, थाईलैंड में आयोजित होगा। डॉ. त्रिपाठी भारतीय शास्त्रीय संगीत की कालजयी विरासत, लय और सांस्कृतिक समरसता पर अपनी प्रस्तुति देंगी। यह आयोजन भारतीय योग और संगीत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान देगा। ज्ञातव्य हो कि डॉ. रंजना ने युवा अवस्था से ही राष्ट्रीय सेवा योजना, नेहरु युवा केन्द्र व विभिन्न सरकारी व स्वेच्छिक संगठनों के साथ विविध विषयों पर कॉमनवेल्थ यूथ पुरस्कार सहित कई सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।

डॉ. रंजना ने संगीत में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से शोध किया है। हिन्दुस्तानी आकादी ने उनके शोध ग्रंथ सहित तीन पुस्तकों का प्रकाशन किया है तथा उनके दो दर्जन से अधिक शोधपरक आलेख प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. रंजना के इस वैश्विक कार्यक्रम में देश का प्रतिनिधित्व करने पर विभिन्न सामाजिक व शैक्षिक संगठनों ने बधाई दी है।

पल पल एक प्रसंग है

मीठी–मीठी धूप ताज़गी लेकर आयी।
कलियों की मुस्कान बनी उपवन में छायी।
देख प्रकृति उल्लास मगन हो भौरे आए।
मनमथ का हर रंग सभी के दिल को भाए।
नूतनता के साथ मैं पल पल एक प्रसंग है।
मौसम का बदलाव ही वासन्तिक नव रंग है।।

प्रकृति प्रेम सौन्दर्य आगमन है खुशियों का।
वासन्तिक उल्लास हरे दुख हर दुखियों का।
धरती का श्रृंगार कर रही है हरियाली।
खुशहाली का रंग फैलता डाली–डाली।
खुशबू रंग उमंग का अद्भुत प्यारा खेल है।
कला और साहित्य का, यह इक अनुपम मेल है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

बलभद्र इंटर कॉलेज में छात्र–छात्राओं को किया जागरूक

मिशन शक्ति 6.0 के तहत साइबर अपराध, महिला सुरक्षा और हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

बलदेव (मथुरा)। महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान 6.0 के तहत थाना बलदेव की मिशन शक्ति टीम, महिला सशक्तिकरण टीम, ऑपरेशन जागृति, एंटी रोमियो टीम एवं महिला बीट टीम ने बलभद्र इंटर



कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव, सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श, महिला सुरक्षा, बाल संरक्षण तथा नाबालिग बालक–बालिकाओं के प्रेम संबंधों के चलते घर से पलायन जैसी समस्याओं के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही साइबर अपराध होने पर शिकायत दर्ज कराने और सावधानी बरतने के तरीके बताए गए।

पुलिस टीम ने महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी परेशानी की स्थिति में संबंधित हेल्पलाइन का उपयोग किया जा सकता है।

छात्र–छात्राओं को साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के लिए 1930, महिला हेल्पलाइन 1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और आपातकालीन पुलिस सेवा 112 के बारे में बताया गया।

इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एंबुलेंस सेवा 102 तथा अन्य आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के लिए संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी देकर जागरूक एवं सतर्क रहने का संदेश दिया गया।

उत्तर मध्य रेलवे				
ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या - 264/48 दिनांक 13.10.2026				
ई-प्रापण निविदा सूचना				
भारत के राष्ट्रपति श्री और से प्रधान मुख्य व्रतन्नाथ, उच्चाधिकार, प्रयागराज। (आई.एस.ओ. 9001:2015) सम्पत्ति (इकाई)। निम्नलिखित मंचों के लिए ई-प्रारण निविदाएं आमंत्रित करती हैं।				
क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	बidding	निविदा ख़ुलने की तिथि
1	70263502	वेट इमेनल ऑटोमैट ब्यू	124973 लौट्टर	10.11.2026
2	70262660	क्रेमोरेटिव वार्मिस्टेंट फिबेरिक रेंजिन	25897 ना	10.11.2026
3	70263044	इलेक्ट्रिक होलर टाइबर 8-600 रियरर	13562 ना	10.11.2026
4	6326RG007A	ड्रिग इंज टैंकर टू इंटर इन्ड रॉमि कान्ट्रेड कोर मैनुएलर एंड सलाई ऑफ पीएससी स्लीपर ऑफ डिफरेंट आरडीएस्को इस्मि नं0 टी-4865, टी-4218, टी-6068 & टी-8870-	26865.00 सेट	16-NOV-26
5	6326RG007A	ड्रिग इंज टैंकर टू इंटर इन्ड रॉमि कान्ट्रेड कोर मैनुएलर कोरिंग एंड सलाई ऑफ पीएससी स्लीपर टू इस्मि नं0 आरडीएस्को/टी-8746 सुटेबल कोर 60 केजी। (यूआईसी)/0061 एंड 52 केजी रेलम (एल्सीकेबल कोर इस्मि नं0 आरटी-8751) टीआरजी (आरडीएस्को) आरटी 8751-53-	7763217.00 ना	25-NOV-26
6	36262670	के यू लुईंग (टीन के बीएम) ऑफ सीसीसीयू साइड डिपार वेड ट्रेनेबडी	44636 सेट	30.10.2026
7	38264244	वाय्फ डेड लॉक बीट-22,22 एक्सा हावा, रिप डेन- 31, 75 एक्सा टू 38, 10 एक्सा	296197 डियर	12.11.2026
8	6326RG007A	ड्रिग इंज टैंकर टू इंटर इन्ड रॉमि कान्ट्रेड कोर मैनुएलर एंड सलाई ऑफ 8.2 एक्सा थिड ड्रमोडिड कूड खर कोल वेडर कोर रेलमि केमि सी.आई. वेडर ऑफ एरडीरे (टी-6965) ऑन कर्मर रॉमि कर्ममि टू आरडीएस्को इस्मि नं0 टी-10348-	4914.00 सेट	10-NOV-26
9	6326RG003A	ड्रिग इंज टैंकर टू इंटर इन्ड रॉमि कान्ट्रेड कोर मैनुएलर एंड सलाई ऑफ कान्कोन कान् रीडकोर्ड जीआरएससी खर 1 इन 12 डे 1 इन 8.5 टर्नआउट विड ओआरसीएस।	5317.00 सेट	02-NOV-26
10	30262643	स्टैन्डेल स्लैट ग्रीड बेसिन	1346 ना	03.11.2026
11	40263188	सेट ऑफ 120 AM 480 A बैटरी	473 सेट	02.11.2026
12	20263467	आयल कुलर रेडियेटर कोर वनबट्टर टू टूल्सकॉर	22 ना	05.11.2026
13	40261329	B.L.O.C पैन	4353 ना	12.11.2026

नोट:- ज़रूरी सभी ई-प्रारण निविदाओं का पूरा विवरण। (एएस) वेबसाइट: <https://www.ireps.gov.in> पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/दृष्टिकोण के लिए कुलमा इन वेबसाइट को निगरान करे देवे।

North central railways © ©CPRODCA © www.ncs.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

नशा विरोधी की हत्या

पंजाब के मानसा में नशीले पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ मुहिम चलाने वाले एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह की हत्या बताती है कि इस जहरीले कारोबार के खिलाफ लड़ाई कितनी मुश्किल है। यह भी कि नशे के खिलाफ मुखर होने वाले जिम्मेदार नागरिकों की सुरक्षा को लेकर शासन–प्रशासन को गंभीर होना होगा। नशे की लत लगाने वाली टैबलेट बेचने वाले कैमिस्ट के साथ बहस के बाद सरेआम यह हत्या की गई। जिससे नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के दुस्साहस का पता चलता है। घटना बताती है कि इस बुराई के खिलाफ काम करने वाले लोगों को सुरक्षा देने में हमारा तंत्र नाकाम हुआ है। पंजाब के ग्रामीण इलाकों में नशे के खिलाफ काम करने वाले गांव के वॉलंटियर्स की हत्याएं पहले भी होती रही हैं। जिससे पता चलता है कि यह खतरा नया नहीं है। इस घटना से जुड़ी परेशान करने वाली बात यह भी है कि हमलावर व मृतक के बीच रंजिश का पुराना इतिहास रहा है। बताते हैं कि वर्ष 2023 में भी एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह ने कैमिस्ट अश्वनी कुमार के खिलाफ प्रतिबंधित कैप्सूल बेचने के आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवायी थी। तब पुलिस ने दुकान के मालिक के खिलाफ मामला तो दर्ज किया था, लेकिन परविंदर सिंह पर भी कानून अपने हाथ में लेने का आरोप लगाया था। दरअसल, आरोप था कि उसने कैमिस्ट को गले में जूते पहनाकर बाजार में घुमाया था। अब तीन साल बाद, उसी दुकान पर हुई एक और झड़प में एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह की मौत हो गई। गोलीबारी की इस घटना में परमिंदर के चार साथी भी घायल हुए हैं। कुछ लोगों का मानना था कि एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह को खुद सीधी कार्रवाई करने के बजाय पुलिस को जानकारी देनी चाहिए थी। अन्यथा पुलिस की मौजूदगी में कोई कदम उठाना चाहिए था। यहां सवाल यह भी है कि क्या पुलिस अपने दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन कर रही थी? आखिर एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह को खुद इसके खिलाफ क्यों खड़ा होना पड़ा? उल्लेखनीय है कि इससे पहले वर्ष 2023 में, फरीदकोट में हरभगवान सिंह और बठिंडा में जसवीर सिंह, जैसे नशे के खिलाफ काम करने वाले वॉलंटियर्स की भी हत्या कर दी गई थी। तब भी आरोप लगे थे कि ये हत्याएं नशे के कारोबार का विरोध करने के कारण हुई थीं। निस्संदेह, इस बुराई के खिलाफ लड़ने वाले नशा विरोधी कार्यकर्ताओं की हत्याओं के मामले में बारीकी से जांच करने की जरूरत है। मानसा की घटना की तह तक जाकर पता लगाया जाना चाहिए कि आखिर गोलीबारी की घटना क्यों हुई? क्या पहले भी ऐसी धमकियां दी गई थीं? साथ ही पुलिस को यह भी बताना चाहिए कि पिछली शिकायत पर क्या कोई ठोस कार्रवाई हुई थी? क्या प्रतिबंधित दवाइयों की बिक्री के मामले मे संबंधित विभागों व पुलिस द्वारा ठीक से जांच की गई थी? क्या ड्रग कंट्रोल अधिकारियों ने दुकान में प्रतिबंधित दवाओं की मौजूदगी की पड़ताल की थी? वक्त की जरूरत है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की वरिष्ठ पुलिस–प्रशासन के अधिाकारियों के साथ हुई बैठक का नतीजा ठोस कार्रवाई के रूप में निकलना चाहिए। अब पहले की तरह सिर्फ आशवासन से काम नहीं चलने वाला। वास्तव में समय रहते गैर–कानूनी दवा बिक्री की शिकायतों की जांच होनी चाहिए। इस बाबत प्रिंस्क्रिप्शन और स्टॉक रिकॉर्ड की भी जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। सही मायने में पंजाब के नशा विरोधी अभियान को सिर्फ गिरफ्तारियों और नशीले पदार्थों की जब्ती के आधार पर नहीं आंका जा सकता है। इसे इस आधार पर परखा जाना चाहिए कि क्या वास्तव में नशीले पदार्थों को हासिल करना कठिन हुआ है? क्या नशे के खिलाफ सहयोग करने वाले लोग बिना भयभीत हुए संदिग्ध अपराधियों की सूचना शासन–प्रशासन को दे सकते हैं। इस घटनाक्रम के बाद अपनी सुविधा के हिसाब से राजनीतिक बयानबाजी शुरु हो गई है। पंजाब नशे के जिस संकट से गुजर रहा है, सभी राजनीतिक दलों का दायित्व है कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर बदलावकारी लड़ाई के लिये सहयोग करें।

न्यायालय का कड़ा कदम और विपक्ष का दबाव हो सकते हैं इस्तीफे का कारण

नित्य चक्रवर्ती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बात को लेकर बड़ी उलझन में हैं कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की विपक्ष की मांग से कैसे निपटा जाए। मौजूदा हालात अस्थिर हैं और मामला सीईसी को हटाने की मांग से आगे बढ़कर गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे तक भी जा सकता है, जो दिल्ली में अधोषित लॉकडाउन लगाने और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को दबाने के फैसलों के पीछे मुख्य व्यक्ति रहे हैं। आइए सबसे पहले चुनाव आयोग की बात करते हैं। सीईसी ज्ञानेश कुमार 26 जनवरी, 2029 को रिटायर करने वाले हैं, जो अप्रैलधर्मई 2029 में होने वाले अगले लोकसभा चुनावों की प्रक्रिया शुरु होने से ठीक दो महीने पहले का समय है। मौजूदा दो चुनाव आयुक्तों में से सबसे वरीय डॉ. सुखबीर सिंह संधू 5 जुलाई, 2028 को रिटायर होंगे। दूसरे, डॉ. विवेक जोशी, 18 फरवरी, 2031 को रिटायर होंगे। इसलिए, अप्रैलधर्मई 2029 में अगले लोकसभा चुनावों के समय, मौजूदा तीन सदस्यीय ईसी में से केवल डॉ. विवेक जोशी ही बचे रहेंगे। सरकार को जुलाई 2028 के बाद एक नया चुनाव आयुक्त नियुक्त करना होगा। मौजूदा नियमों के अनुसार, वर्तमान सीईसी को उनके कार्यकाल के दौरान किए गए किसी भी काम के लिए कघनून का संरक्षण प्राप्त है। सरकार उन्हें बर्खास्त नहीं कर सकती। संसद द्वारा उन पर महाभियोग चलाया जा सकता है, लेकिन भाजपा और उसके सहयोगियों के पास भारी बहुमत होने के कारण अभी यह व्यावहारिक नहीं है। विपक्ष शायद दूसरी बार महाभियोग की कोशिश न करे। मोदी सरकार के पास उनके कार्यकाल के पूरा होने से पहले उनसे छुटकारा पाने का

डॉ. दीपक पाचपोर

दिल्ली में संसद

और अन्य सरकारी

दफतरों से कुछ ही दूरी

पर बना जंतर–मंतर दो

दशक से अधिक समय

तक राजनीतिक विरोध,

जन आंदोलनों और

नागरिक प्रतिरोध का

प्रमुख केंद्र रहा है।

लोकतंत्र में जनता की

नाराजगी की अभिव्यक्ति के लिए

महत्वपूर्ण स्थल बन चुके

जंतर–मंतर पर अब मोदी

सरकार की वक्र दृष्टि पड़ चुकी है।

दिल्ली पुलिस आयुक्त

अनुराग कुमार के 11 अक्टूबर,

2026 के आदेश के तहत

जंतर–मंतर रोड को तय

प्रदर्शन स्थल की सूची से हटा

दिया गया। यानी पिछले

दो–ढाई दशकों से कई अहम

आंदोलनों का गवाह बन चुके

जंतर–मंतर पर अब सरकार ने

सभी तरह के विरोध–प्रदर्शन से

रोक लगा दी है। दिल्ली में

संसद और अन्य सरकारी दफ्तरों

से कुछ ही दूरी पर बना

जंतर–मंतर दो दशक से अधिा

क समय तक राजनीतिक विरोध

ा, जन आंदोलनों और नागरिक

प्रतिरोध का प्रमुख केंद्र रहा है।

पाठक जानते हैं कि पिछले

20–25 सालों में राजनीतिक

दलों, छात्र संगठनों, ट्रेड

यूनियनों, किसानों, सामाजिक

कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों

ने इसी जंतर–मंतर से अपनी

मांगें उठाईं और सरकारों को

कई बार झुकने पर मजबूर कर

दिया। लेकिन अब सरकार ने

जंतर–मंतर की जगह रामलीला

मैदान, पूर्वी दिल्ली के शाहदरा

में सीबीडी ग्राउंड और उत्तरी

दिल्ली के बुराड़ी ग्राउंड को

विरोध–प्रदर्शन स्थल के तौर पर चिन्हित किया है। दिल्ली में इस समय ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे प्रदर्शनों के बीच इस फैसले के आने पर विपक्ष कई सवाल उठा रहा है। वैसे सरकार का कहना है कि इस फैसले का ज्ञानेश कुमार विरोधी आंदोलन से कोई लेना–देना नहीं है। दिल्ली पुलिस का तर्क है कि जंतर–मंतर पर बार–बार होने वाले प्रदर्शनों से मध्य दिल्ली में यातायात, कारोबार और सामान्य गतिविधियां प्रभावित होती हैं। पूर्व आईपीएस और अब भाजपा नेता किरण बेदी का भी कहना है कि जंतर–मंतर विरोध–प्रदर्शन के लिए सही जगह नहीं है क्योंकि वहां के रास्ते संकरे हैं और आसपास कई संवेदनशील इमारतें व दफ्तर स्थित हैं। ऐसे लोगों की बात सुनने से समझ आता है कि भाजपा जनता के विरोध से अब कितना डर चुकी है कि प्रदर्शन के पर्याय बन चुके जंतर–मंतर पर ही लोगों को इकट्ठा होने से रोक रही है। किरण बेदी ने बतौर पुलिस अधिकारी या उससे पहले आम आदमी पार्टी के नेता या उससे भी पहले अन्ना आंदोलन में हिस्सेदारी के वक्त तो इस बारे में कुछ नहीं कहा, लेकिन अब भाजपा में जाने पर उनके विचार

आरोपों को खारिज नहीं किया जा सकता। क्योंकि पहले जुलाई में धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे पर हुए जेन जी आंदोलन ने जंतर–मंतर पर ही अपना दम दिखाया और सरकार को झुकने पर मजबूर किया। अब भी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर चल रहे प्रदर्शन में भी आंदोलनकारियों को लगातार जंतर–मंतर पहुंचने से रोकने की कोशिश भाजपा करती रही। मोदी अच्छे से समझ चुके हैं कि जब उनकी सत्ता से नाराज लोग एक साथ जंतर–मंतर पहुंचते हैं तो उनकी सरकार के लिए खतरा बढ़ सकता है। इसलिए विपक्ष का यह कहना सही है कि इस फैसले को केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विरोध ा के लिए उपलब्ध स्थान और अवसर से जुड़े मुद्दे के तौर पर देखा जाना चाहिए। रहा सवाल रामलीला मैदान या सीबीडी और बुराड़ी के मैदानों का, तो इनमें व्यावहारिक कठिनाइयां देखी जा रही हैं। रामलीला मैदान अक्टूबर से दिसंबर तक त्योहारों के मौसम में सांस्कृतिक और अन्य कार्यक्रमों के कारण उपलब्ध ा नहीं होता है। इसी तरह सीबीडी और बुराड़ी के मैदानों में भी व्यावहारिक दिक्कतें हैं। दिल्ली के लोग तो इन जगहों से वाकिफ हैं, लेकिन दिल्ली से

ज्ञान के समुद्र को सूखने मत दीजिए

लिए ज्ञान और विचारों के रास्ते खुले रखना भी हैं। केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय की स्थिति इसी कारण चिंताजनक है। शारत्री भवन में लगभग ६,५०० वर्ग मीटर क्षेत्र में चार मंजिलों पर फैले इस पुस्तकालय में दुर्लभ पुस्तकें, पुराने दस्तावेज, सरकारी रिकॉर्ड और राजपत्र हैं। इसके दुर्लभ पुस्तक अनुभाग की सबसे पुरानी पुस्तक एक फ्रांसीसी यात्री के लेखों का संकलन है, जो 1७०2 का बताया जाता है। भारत सरकार के प्रकाशनों के महत्वपूर्ण भंडार के रूप में काम करने वाले इस पुस्तकालय का उपयोग सरकारी अधिकारियों, शोधार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों द्वारा भी किया जाता है। इतने समृद्ध ऐतिहासिक संग्रह को केवल स्थानांतरण की प्रशासनिक समस्या मानना ​​​​उसकी वास्तविक महत्ता को कम करके आंकना होगा। केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय के लिए पर्याप्त जगह की आवश्यकता केवल पुस्तकों को रखने के लिए नहीं है। संग्रह को संरक्षण, पाठकों और शोधकर्ताओं की सुविधा तथा पुस्तकालय की अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए भी उपयुक्त स्थान चाहिए। अब इस मामले ने सर्वोच्च न्यायालय का भी ध्यान खींचा है। न्यायालय ने 135 वर्ष पुराने पुस्तकालय के पुनर्वास

का स्वतरु संज्ञान लिया। कर्तव्य भवन–02 के भूतल पर दो कमरों का प्रस्ताव संपदा निदेशालय ने जनवरी में दिया था, जिसे संस्कृति मंत्रालय ने अपर्याप्त बताया था। अब आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने कर्तव्य पथ पुनर्विकास योजना में पुस्तकालय के लिए स्थान निर्धारित किए जाने और निर्माण प्रक्रिया शुरु होने की जानकारी दी है। अंतिम कसौटी यही होगी कि यह स्थान पुस्तकालय के संग्रह, संरक्षण और पाठक सुविधा की जरूरतें पूरी करता है या नहीं। पुस्तकालय का जीवन उसके पाठकों से है। दुर्लभ पुस्तकें यदि गोदामों में बंद रहें और शोधकर्ता उन तक न पहुंच सकें तो संरक्षण अधूरा है। केवल डिजिटलीकरण भी इसका विकल्प नहीं, क्योंकि मूल पुस्तक की भौतिक विशेषताएं और ऐतिहासिक संकेत डिजिटल प्रति में पूरी तरह सुरक्षित नहीं रहते। इसलिए प्रशिक्षित अभिलेखपाल, वैज्ञानिक संरक्षण, डिजिटलीकरण और सबसे बढ़कर पाठकों–शोधकर्ताओं के लिए सहज पहुंचकृ इन सभी को समान महत्व देना होगा। ज्ञान को सुरक्षित रखकर भी यदि उसे लोगों तक पहुंचने से रोक दिया जाए तो वह जीवित परंपरा नहीं रह जाता। यहां प्रश्न केवल विकास बनाम विरासत का नहीं है। असली प्रश्न यह है कि विकास की परिभाषा में ज्ञान और स्मृति के लिए कितनी जगह

इस्तीफे का कारण

सीईसी को हटाने का आदेश देने का अधिकार नहीं है, लेकिन न्यायालय निश्चित रूप से सीईसी पर अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करने में घोर विफलता का आरोप लगा सकता है। तब इसका मतलब होगा कि नैतिक रूप से, ज्ञानेश कुमार सीईसी बने रहने का अपना अधिकार खो देंगे। मौजूदा सीईसी के खिलाफ एक और बात है। केरल विधानसभा ने ज्ञानेश कुमार को सीईसी पद से हटाने के समर्थन में एक प्रस्ताव पारित किया है। देश में किसी विधानसभा का यह पहला ऐसा कदम है। साथ ही, केरल सरकार ने ज्ञानेश कुमार से जुड़ा एक पुराना मामला फिर से खोल दिया है, जिसमें उन पर केरल सरकार के एक अधिकारी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा था। अगर इस मामले में आगे कार्रवाई होती है और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ फैसला आता है, तो उसे लागू किया जा सकता है क्योंकि यह मामला सीईसी को उनके मौजूदा कार्यकाल के दौरान मिलने वाली सुरक्षा के दायरे से बाहर है। अब सवाल यह उठता है कि प्रधानमंत्री सीईसी को बचाने का जोखिम क्यों उठा रहे हैं, जबकि उन्हें कानूनी स्तर पर इसके नतीजों का पता है। साथ ही, सीईसी ज्ञानेश कुमार के तहत चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोपों और सीईसी को हटाने की मांग पर छात्रों, बुद्धिजीवियों और सिविल सोसायटी के लोगों की भारी प्रतिक्रिया से विपक्ष को जो फायदा मिल रहा है, उसे भी वे जानते हैं। वजह साफ ​​​​है, नरेंद्र मोदी और अमित शाह को ईसी में अपनी तरफ से काम करने और आने वाले चुनावों (जो 2029 के मध्य में आम चुनावों के साथ खत्म होंगे) में राज्यों में भाजपा को जिताने में मदद के लिए ज्ञानेश कुमार की जरूरत है। हालांकि ज्ञानेश कुमार 26 जनवरी 2029 को रिटायर हो जाएंगे,

लेकिन उम्मीद है कि वे चुनाव आयोग के कामकाज को इस तरह से ढाल देंगे कि नये सीईसी, जो पद संभालेंगे, चाहकर भी उस स्थिति में ज्यादा बदलाव नहीं कर पाएंगे। प्रधानमंत्री फिर डॉ. विवेक जोशी को सीईसी के तौर पर प्रोन्नत कर सकते हैं या ज्ञानेश कुमार के रिटायर होने के बाद किसी नए भरोसेमंद नौकरशाह को नया सीईसी नियुक्त किया जा सकता है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के लिए, तुरंत प्राथमिकता मार्च 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हैं। भाजपा उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव हारने का जोखिम नहीं उठा सकती, जैसा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में हुआ था, जब पार्टी को सिर्फ 33 सीटें मिली थीं जबकि इंडिया ब्लॉक को 43 सीटें मिली थीं। अगर सीईसी के कहने पर कुछ चुनिंदा निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव अधिकारी थोड़ी भी मदद कर दें, तो उत्तर प्रदेश में भाजपा को चुनावी तौर पर बड़ा फायदा हो सकता है, जिसकी उसे सख्त जरूरत है। इसलिए अभी सरकार और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का मुख्य ध्यान इस बात पर है कि चुनाव आयोग के हालिया फैसलों की जानकारी की सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की जा रही जांच की प्रक्रिया में देरी हो। उम्मीद है कि सॉलिडिटर जनरल तुषार मेहता, चुनाव आयोग की ओर से जवाब देने के लिए नई तारीखें मांगने की पूरी कोशिश करेंगे। अब सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि क्या सर्वोच्च न्यायालय संविधान की मूल भावना यानी वोट देने के अधिकार की रक्षा करने वाले शेर की तरह काम करेगा, या फिर अधूरी टिप्पणियों के जरिए सीईसी को आलोचना से बचने देगा। इस तरह, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे पर नरेंद्र मोदी का अंतिम फैसला भी सर्वोच्च न्यायालय के अंतिम आदेश पर निर्भर करेगा।

बाहर के लोग प्रदर्शन स्थल के तौर पर जंतर–मंतर को ही पहचानते हैं। मुमकिन है कि वक्त के साथ इन जगहों की पहचान भी अच्छे से हो जाए, लेकिन तब तक शायद मोदी सरकार खुद को प्रदर्शनों से महफूज मान सकती है। हालांकि मोदी और शाह भूल रहे हैं कि लोकतंत्र में प्रदर्शनों का महत्व, प्रदर्शन स्थलों से कहीं ज्यादा है। 202० से 21 तक चले किसान आंदोलन में तो हजारों किसान दिल्ली की सीमाओं पर बैठ रहे, उन लोगों का जंतर–मंतर तक आने की जरूरत नहीं पड़ी और सरकार को फिर भी झुकना पड़ा। इसी तरह शाहीन बाग में भी महिलाएं सीएए के खिलाफ बैठ गईं, उन्हें भी जंतर–मंतर नहीं आना पड़ा। वैसे जंतर–मंतर से पहले इंडिया गेट और विजय चौक के निकट बोट क्लब के लॉन आजादी के बाद कई दशकों तक बड़े राजनीतिक और जन प्रदर्शनों के प्रमुख केंद्र रहे। अक्टूबर 1९८८ में किसान नेता महेंद्र सिंह टिकैत के नेतृत्व में हजारों किसान बोट क्लब पर ही जुटे थे। किसान अपने मवेशियों के साथ कई दिनों तक वहां डटे रहे और तत्कालीन राजीव गांधी सरकार पर अपनी मांगें मानने का दबाव बनाया था।



उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 27 साल के युवा कैफे मालिक और व्यवसायी शिवा शर्मा की संदेहास्पद परिस्थितियों में हुई मौत के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस हाई—प्रोफाइल मामले में इन्फ्लुएंसर, मॉडल और मेकअप आर्टिस्ट श्रद्धा दुबे का नाम सामने आने के बाद से वह लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। हालांकि, उन पर लगे आरोपों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन हाल ही में उन्होंने एक वीडियो जारी कर अपनी सफाई दी है और तमाम आरोपों को सिरे से खारिज किया है। इस मामले में श्रद्धा दुबे का नाम सामने आने के बाद, कई लोग उनकी निजी और पेशेवर ज़िंदगी के बारे में जानना चाहते हैं। यहाँ इस इन्फ्लुएंसर और शिवा शर्मा की मौत से जुड़े मामले के बारे में पूरी जानकारी दी गई है।

श्रद्धा दुबे कौन हैं? श्रद्धा दुबे एक इन्फ्लुएंसर, मॉडल और मेकअप आर्टिस्ट हैं, जो उत्तर प्रदेश के रायबरेली की रहने वाली बताई जाती हैं। उन्होंने मॉडलिंग असाइनमेंट, ब्यूटी पेजेंट और फैशन इवेंट्स के ज़रिए अपनी पहचान बनाई है। इंस्टाग्राम पर ‘स्टाइलबुक बाय श्रद्धा’ नाम से उनका एक अकाउंट है, जिस पर उनके लगभग 142ज़ (1.42 लाख) फॉलोअर्स हैं। यहाँ वह अपने काम से जुड़ी चीज़ें शेयर करती हैं। वह लगभग सात साल पहले एक बड़ी म्यूज़िक कंपनी के म्यूज़िक वीडियो में भी नज़र आई थीं। यूट्यूब पर इस वीडियो को लगभग 2.7 लाख बार देखा गया है।

विवाद के बाद बदला मनोज बाजपेयी की फिल्म का नाम, घूसखोर पंडित अब हुई गजब रात, थ्रिलर से भरपूर धमाकेदार थ्रैलर हुआ आउट

बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेताओं में शुमार मनोज बाजपेयी एक बार फिर अपनी जबरदस्त एक्टिंग और सरस्पेंस थ्रिलर फिल्म के साथ लौटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। नेटपिलक्स की इस आगामी फिल्म को लेकर लंबे समय से बज बना हुआ था, जो अब एक नए नाम गजब रात के साथ दर्शकों के सामने आ रही है। निर्माताओं ने फिल्म का आधिकारिक थ्रैलर भी जारी कर दिया है। गौरतलब है कि पहले इस फिल्म का नाम घूसखोर पंडित था, जिसे लेकर काफी विवाद हुआ था और बाद में कानूनी प्रक्रिया के बाद इसका नाम बदलना पड़ा। इस फिल्म के जरिए मनोज बाजपेयी और मशहूर निर्देशक—निर्माता नीरज पांडे लगभग एक दशक बाद फिर से एक साथ आए हैं।

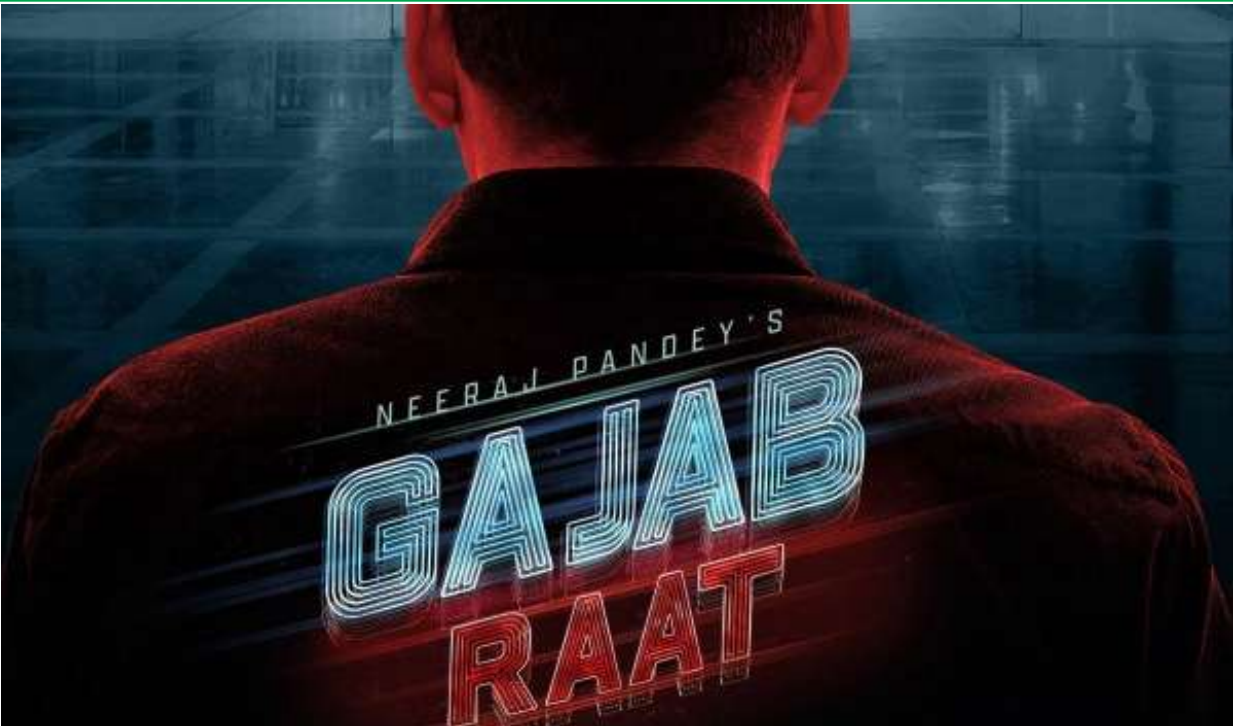
गजब रात का थ्रैलर आ गया है यह फिल्म एक पुलिस वाले की कहानी है, जो अपने निजी फायदे और सही काम करने के बीच फंस जाता है। जैसे—जैसे रात आगे बढ़ती है, उसके फ़ैसलों की वजह से ऐसी घटनाएं होती हैं, जिनके नतीजे उसकी सोच से कहीं ज्यादा गंभीर होते हैं। यह कहानी नैतिक दुविधाओं, बदलती वफादारियों और अपने फ़ैसलों के लिए लोगों को चुकानी पड़ने वाली कीमत को दिखाती है। घूसखोर पंडित विवाद क्या था?

नेटपिलक्स की आने वाली फिल्म गजब रात का पुराना नाम घूसखोर पंडित था, जो फरवरी में विवादों में आ गई थी। धार्मिक और जातिगत भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोपों के चलते, लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में फिल्म के निर्देशक और उनकी टीम के खिलाफ थ्र् दर्ज की गई थी। शिकायत में मुख्य रूप से सामाजिक सदभाव बिगाड़ने और धार्मिक व जातिगत भावनाओं को आहत करने की कोशिशों का जिक्र है। भोपाल में भी इस फिल्म का विरोध हुआ था और इसे बैन करने की मांग उठी थी। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया, जिसके बाद फिल्म निर्माताओं ने इसका नाम बदलने का फ़ैसला किया।

मनोज बाजपेयी के साथ फिर से काम करने पर नीरज पांडे गजब रात के ज़रिए नीरज पांडे और नेटपिलक्स एक बार फिर साथ आए हैं। इससे पहले भी वे इस स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के साथ श्खाकीर्ष, शसिकंदर का मुकद्दर और श्तरस्करीश जैसे प्रोजेक्ट्स पर काम कर चुके हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए, नीरज पांडे ने कहा, भेरा हमेशा से मानना धरहा है कि एक दिलचस्प कहानी सिर्फ आपको उलझाए ही नहीं, बल्कि आपको सोचने पर भी मजबूर कर दे। श्गजब रातए एक ऐसी थ्रिलर है, जिसमें किरदारों के फ़ैसले उन्हें ऐसे मोड़ पर ले आते हैं, जहाँ कोई आसान जवाब नहीं मिलता। इसमें तनाव न केवल एक रात में घटने वाली घटनाओं से पैदा होता है, बल्कि उन नैतिक दुविधाओं से भी आता है जिनका सामना किरदार करते हैं। मनोज के साथ फिर से काम करना और रितेश को एक निर्देशक के रूप में पेश करना, इस प्रोजेक्ट का एक और रोमांचक पहलू रहा। मुझे उम्मीद है कि दर्शक नेटपिलक्स पर इस फिल्म का आनंद लेंगे। मनोज बाजपेयी ने भी इस प्रोजेक्ट पर काम करने और नीरज पांडे के साथ फिर से जुड़ने के अपने अनुभव के बारे में बात की। अभिनेता ने कहा, नेटपिलक्स के साथ मेरा जुड़ाव एक रोमांचक सफर रहा है, और श्गजब रातए एक ऐसा प्रोजेक्ट है जिसका हिस्सा बनकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मुझे हमेशा से ऐसे किरदार आकर्षित करते रहे हैं जिन्हें आसानी से परिभाषित नहीं

लखनऊ के कैफ़े मालिक शिवा शर्मा के साथ क्या हुआ? बता दें कि 27 साल के कैफ़े मालिक और बिज़नेसमैन शिवा शर्मा की 9 अक्टूबर को लखनऊ के हज़रतगंज इलाके में श्अवध ग्रीन अपार्टमेंटश् से गिरने के बाद मौत हो गई थी। पीटीआई (च्च्) के अनुसार, एक अधिकारी ने बताया कि फ़ैशन मॉडल श्रद्धा दुबे के नाम पर रजिस्टर्ड एक महिंद्रा स्कॉर्पियो—एन गाड़ी, नेपाल बॉर्डर से लगभग एक किलोमीटर दूर रुपईडीहा में खड़ी मिली। हालांकि, इन्फ्लुएंसर श्रद्धा दुबे ने लखनऊ में अपने बॉयफ्रेंड शिवा शर्मा की मौत से जुड़े आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि शिवा शर्मा ने आत्महत्या की है और कहा कि वह पुलिस जांच में पूरा सहयोग करने के लिए तैयार हैं।

एक वीडियो में, दुबे ने अपने ऊपर लगे आरोपों को नकारते हुए कहा कि उन्हें बेवजह इस मामले में घसीटा जा रहा है। उन्होंने मीडिया से भी अपील की कि वे उनके नाम को शिवा शर्मा की मौत के मामले से न जोड़ें। अपने फरार होने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए, दुबे ने कहा कि वह पुलिस के साथ सहयोग करने और अपना पक्ष रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैं मीडिया से अनुरोध करती हूँ कि वे मेरा नाम इस मामले से न जोड़ें। मैं सभी से अपील करती हूँ कि वे मेरा नाम किसी भी उच्च—पदस्थ अधिकारी या राजनेता के साथ जोड़ना बंद करें। मेरा किसी से कोई संबंध नहीं है और मैं किसी को नहीं जानती। दुबे ने यह भी कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया



किया जा सकता। इस फिल्म ने मुझे एक ऐसी दुनिया में जाने का मौका दिया, जो सरस्पेंस, नैतिक दुविधाओं और जवाबदेही से जुड़े सवालों से भरी है। इस कहानी को जो बात सबसे ज्यादा दिलचस्प बनाती है, वह यह है कि जैसे—जैसे रात आगे बढ़ती है, किरदारों के इरादे धीरे—धीरे सामने आते जाते हैं। इतने लंबे समय बाद नीरज के साथ फिर से काम करना एक शानदार अनुभव रहा। साथ ही, रितेश को एक लेखक (जिनके काम की मैं हमेशा तारीफ करता रहा हूँ) से निर्देशक के रूप में बदलते देखना भी बहुत रोमांचक था। मुझे लगता है कि श्गजब रातश् में दर्शकों को खोजने के लिए बहुत कुछ मिलेगा।

गजब रात के साथ रितेश शाह ने निर्देशन की दुनिया में कदम रखा

यह फिल्म नेटपिलक्स पर रितेश शाह के निर्देशन की शुरुआत (डायरेक्टोरियल डेब्यू) भी है। एक लेखक के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले रितेश शाह ने अब इस सरस्पेंस थ्रिलर के लिए

‘मेरे 2 दिन उनके 100 दिन पर मारी’, बिग बॉस 20 से बाहर होने के बाद नकुल दुल का पहला रिएक्शन, पोस्ट हुई वायरल

बिग बॉस 20 से बाहर होने के बाद नकुल दुल ने अपनी पहली सोशल मीडिया पोस्ट शेयर की है। रियलिटी शो में आधी रात को हुए इविक्शन (बेदखली) के बाद नकुल का सफर खत्म हो गया। गुरुवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक मैसेज शेयर किया, जिसने सबका ध्यान खींचा है। बता दें कि पिछले वीकेंड बिग बॉस 20 में दो वाइल्डकार्ड एंट्री हुई थीं। शनिवार को पॉपुलर टीवी एक्टर मनीष गोयल शो में आए, और रविवार को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नकुल दुल ने एंट्री ली। हालांकि, शो में आने के दो दिन के भीतर ही नकुल की साथी कंटेस्टेंट गुल्लू के साथ बहस हो गई, जिसके चलते उन्हें शो से बाहर होना पड़ा।

बिग बॉस 20 से बाहर होने के बाद नकुल दुल की पहली पोस्ट अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में, नकुल ने शो में बिताए अपने दो दिनों की तुलना बाकी कंटेस्टेंट्स के सफर से की और लिखा, मेरे 2 दिन झंझझ उनके 100 दिन। उन्होंने बिग बॉस 20 हाउस के गार्डन एरिया में एक बेंच पर बैठे हुए अपनी एक फोटो भी शेयर की। बैकग्राउंड म्यूजिक के लिए नकुल ने सिद्धू मूसेवाला का गाना साइंड टू गॉड चुना।

बिग बॉस 20 से नकुल दुल बाहर कंटेंट क्रिएटर नकुल दुल, गुल्लू के साथ हुई हाथापाई के बाद आधी रात को बिग बॉस 20 हाउस से बाहर होने वाले लेटेस्ट

यह हत्या नहीं, आत्महत्या थी... शिवा शर्मा मौत मामले में इन्फ्लुएंसर श्रद्धा दुबे ने तोड़ी चुप्पी, आरोपों को किया सिरे से खारिज



उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में २७ साल के युवा कैफ़े मालिक और व्यवसायी शिवा शर्मा की संदेहास्पद परिस्थितियों में हुई मौत के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस हाई—प्रोफाइल मामले में इन्फ्लुएंसर, मॉडल और मेकअप आर्टिस्ट श्रद्धा दुबे का ाम सामने आने के बाद से वह लगातार सुर्खियों में बनी हुई है।

है और लोगों से आग्रह किया कि किसी महिला पर आरोप लगाने से पहले वे सावधानी बरतें। यह दावा करते हुए कि शर्मा की मौत हत्या नहीं, बल्कि आत्महत्या थी, उन्होंने कहा, षैं फरार नहीं हूँ और अधिकारियों के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हूँ। मैं उन्हें पूरी सच्चाई बताऊंगी। मैं सभी से अनुरोध करती हूँ कि किसी लड़की का नाम किसी और के साथ जोड़ने से पहले कम से कम सौ बार सोचें। मैं पूरी तरह ईमानदार हूँ और मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। यह हत्या नहीं, बल्कि आत्महत्या थी।

खबरों के अनुसार, श्रद्धा दुबे मूल रूप से रायबरेली की रहने वाली हैं और उन्होंने बेस्ट फेस ऑफ लखनऊ का खिताब भी जीता है।



रामलला के दरबार पहुंची यामी गौतम, फिल्म नई नवेली की सफलता के लिए लिया प्रभु का आशीर्वाद

अभिनेत्री यामी गौतम ने भगवान राम का आशीर्वाद लेने और प्रार्थना करने के लिए उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर और हनुमान गढ़ी के दर्शन किए। अपनी यात्रा के दौरान मीडिया से बात करते हुए, यामी ने कहा कि वह भावनाओं से भरी हुई हैं और गहरी आस्था और श्रद्धा के साथ इस पवित्र नगरी में आई हैं। उन्होंने कहा, मैंने अभी राम जन्मभूमि मंदिर के दर्शन किए हैं और अब मैं हनुमान गढ़ी में हूँ। मैं पहली बार अयोध्या आई हूँ। मेरे दिल में कई भावनाएं हैं। मैं यहां बहुत श्रद्धा के साथ आई हूँ। बेशक, मैं आशीर्वाद पाने के लिए बहुत छोटी इंसान हूँ। भगवान राम की कृपा से, यह साल मेरे परिवार के लिए बहुत सुंदर रहा है। काबिल फिल्म की अभिनेत्री ने भगवान राम से जुड़ी इस पवित्र भूमि पर आने का मौका मिलने पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने आगे कहा, मैं यहां भगवान राम का आशीर्वाद लेने आई हूँ। मैं पहली बार यहां आई हूँ और इस पवित्र भूमि को देखना चाहती थी। मैं बहुत भाग्यशाली हूँ कि मुझे उस पवित्र भूमि को देखने का मौका मिला, जहाँ श्री राम 14 वर्षों तक प्रतीक्षा करते रहे। यामी गौतम अपनी आने वाली फिल्म नई नवेली की रिलीज से पहले भगवान राम का आशीर्वाद लेने अयोध्या के राम मंदिर पहुंचीं। मंदिर जाने के लिए, अभिनेत्री ने पीले रंग की साड़ी पहनी, जिसके साथ उन्होंने लंबे झुमके पहने थे। उन्होंने हल्का मेकअप करके अपने पारंपरिक लुक को पूरा किया, जिससे उनका अंदाज बेहद सरल और सुंदर लग रहा था। विकी डोनर की अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर भी अपनी तस्वीर साझा की और इसे कैप्शन दिया, अयोध्या में मां सरयू घाट पर आरती और मन में शांति नवरात्रि के दिनों में इस पावन नगरी से आशीर्वाद मिला और मन भावुक हो गया। अब जो कल हो तो श्री राम की कृपा। कल रिलीज होने वाली सभी फिल्मों के लिए सकारात्मकता और शुभकामनाओं के साथ। नई नवेली कल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। नयी नवेली में यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म तमिल फिल्म निर्माता बालाजी मोहन की बॉलीवुड में निर्देशन की पहली फिल्म है। नैयी नवेली 16 अक्टूबर 2026 को दशहरा उत्सव के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।



कंटेस्टेंट बन गए हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब नकुल ने काजी तौकीर को एक पुरानी घटना के बारे में बात करते हुए सुन लिया, जिसमें काजी ने मजाक—मजाक में स्काउटओपी के कान में थूक दिया था।

नकुल ने स्काउट को इस बारे में बताया और काजी से सवाल किया कि वह उनकी पीठ पीछे इस बात पर चर्चा क्यों कर रहे

थे। बहस तब और बढ़ गई जब स्काउट ने काजी से सवाल किया और बीच में गुल्लू आ गई, जिसके बाद नकुल और गुल्लू के बीच हाथापाई हो गई। इस घटना के बाद, बिग बॉस ने सभी कंटेस्टेंट्स से बात की और उन्हें याद दिलाया कि शारीरिक हिंसा शो के नियमों का गंभीर उल्लंघन है। इसके बाद, घर के नियमों को तोड़ने के कारण नकुल को शो से बाहर कर दिया गया।

संक्षिप्त



सोने का आयात 27 प्रतिशत घटने से Trade Deficit पर घटेगा दबाव, 19.27 अरब डॉलर पर आया आयात

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान भारत का सोने का आयात 27 प्रतिशत से अधिक घटकर 19.27 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 26.51 अरब अमेरिकी डॉलर था। यह गिरावट तब आई है जब सरकार ने इस साल मई में सोने और चांदी पर आयात शुल्क 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया, जिससे आयात महंगा हो गया। सोने के आयात में आई यह भारी कमी काफी अहम है, क्योंकि भारत अपनी घरेलू मांग को पूरा करने के लिए काफी हद तक विदेशों से होने वाली खरीदारी पर निर्भर है। सोने का आयात कम होने से देश के व्यापार घाटे (मर्चेडाइज ट्रेड डेफिसिट) पर दबाव कम करने में मदद मिल सकती है। रुपये और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव के बीच, कीमती धातुओं के आयात को नियंत्रित करने के उपायों के तहत सरकार ने 13 मई 2026 से सोने और चांदी पर सीमा शुल्क (कर्टम ड्यूटी) बढ़ा दिया था। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार, 2026 में ऊंचे शुल्क और आयात के कड़े नियमों का असर घरेलू सोने की मांग पर पड़ने की उम्मीद है। वाणिज्य मंत्रालय की एक प्रस्तुति में बताया गया है कि सितंबर के महीने में सोने के आयात में भारी गिरावट आई है। इसके साथ ही चांदी के आयात में भी कमी देखी गई हैकूचाहे वह उस महीने की बात हो या कुल मिलाकर। कीमती धातुओं के आयात में यह गिरावट ऐसे समय में आई है, जब सितंबर में भारत का कुल वस्तु आयात बढ़कर 74.61 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 69.08 अरब अमेरिकी डॉलर था। वहीं, वस्तु निर्यात 23.04 प्रतिशत बढ़कर 44.40 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। इससे वस्तु व्यापार घाटा, जो एक साल पहले 33 अरब अमेरिकी डॉलर था, घटकर 30.21 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। सोने के आयात में यह कमी आयात की मांग को नियंत्रित करने के प्रयासों के बीच आई है, हालांकि इस गिरावट में ऊंचे शुल्कों का कितना योगदान रहा, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

इंडियन बैंक को Q2 में बड़ा फायदा, शुद्ध लाभ 15% चढ़कर पहुंचा 3462 करोड़

सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 15 प्रतिशत बढ़कर 3,462 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की इसी तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 3,018 करोड़ रुपये था। बैंक ने शेयर बाजार को



दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की जुलाई-सितंबर तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 23,059 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 19,077 करोड़ रुपये थी। सितंबर तिमाही में बैंक की ब्याज आय बढ़कर 19,106 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 16,590 करोड़ रुपये थी। संपत्ति की गुणवत्ता के मोर्चे पर बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) दूसरी तिमाही में कुल कर्ज का 1.61 प्रतिशत रहीं, जो एक साल पहले 2.6 प्रतिशत थीं। इसी तरह, शुद्ध एनपीए यानी फंसा कर्ज सितंबर, 2026 के अंत में घटकर 0.14 प्रतिशत रहा, जो सितंबर, 2025 के अंत में 0.16 प्रतिशत था।

साउथ इंडियन बैंक को दूसरी तिमाही में 426 करोड़ रुपये का मुनाफा

साउथ इंडियन बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 21 प्रतिशत बढ़कर 426 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। केरल स्थित निजी क्षेत्र के इस बैंक ने पिछले वित्त वर्ष की



जुलाई-सितंबर तिमाही में 351 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। साउथ इंडियन बैंक ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 3,264 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,923 करोड़ रुपये थी। बैंक की ब्याज आय भी समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 2,796 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की सितंबर तिमाही में 2,407 करोड़ रुपये थी। परिसंपत्ति की गुणवत्ता के मोर्चे पर बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात सितंबर, 2026 के अंत तक घटकर 1.24 प्रतिशत रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2.93 प्रतिशत था। इसी तरह, शुद्ध एनपीए यानी फंसे कर्ज का अनुपात भी सितंबर, 2026 के अंत तक घटकर 0.09 प्रतिशत रह गया, जो सितंबर, 2025 के अंत में 0.56 प्रतिशत था।

चौथे T20I में वेस्टइंडीज से मिली हार, श्रेयस अय्यर ने गेंदबाजी को माना जिम्मेदार

चौथे T20I मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए मिली हार के बाद, भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि उनकी टीम सही लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी नहीं कर पाई। वहीं, वेस्टइंडीज ने बीच के ओवरों में पिच से मिल रही मदद का फायदा उठाया, जब पिच थोड़ी धीमी हो गई थी। इस दौर पर शाई होप के चौथे शतक और कीमो पॉल के पांच विकेटों की बदौलत, वेस्टइंडीज ने 248 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए भारत को 23 रनों से हरा दिया। अब सीरीज 2-2 की बराबरी पर है, जिससे बंगलुरु में होने वाला आखिरी मैच काफी रोमांचक हो गया है। भारत की शुरुआत संजू सैमसन के आक्रामक अर्धशतक के साथ हुई, लेकिन उनके ओपनिंग पार्टनर अभिषेक शर्मा को शुरुआती कुछ ओवरों में स्ट्राइक ही नहीं मिल पाई। संजू के

आउट होने के बाद भारत के पतन की शुरुआत हुई, क्योंकि बाकी बल्लेबाज इस मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने के लिए जरूरी लय को बनाए नहीं रख सके। मैच के बाद हुई बातचीत में हार के बारे में बात करते हुए, अय्यर ने कहा कि छ्सकी शुरुआत गेंदबाजी से हुई। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हम अपनी लाइन और लेंथ को सही से लागू नहीं कर पाए। 250 रनों का पीछा करते समय, आपको एक तय तरीके से आगे बढ़ना होता है। इसलिए, पीछा करते समय हमारा जो अप्रोच था, वह मुझे अच्छा लगा। लेकिन बदकिस्मती से, हम गेंदबाजी में अपनी योजनाओं को सही से लागू नहीं कर पाए, और यहीं पर हम थोड़े पीछे रह गए। जब उनसे पूछा गया कि क्या अभिषेक के स्ट्राइक न ले पाने की वजह से भारत को हार मिली, तो उन्होंने कहा, घेसा नहीं है, उस समय भी हमारा रन रेट 12 प्रति ओवर चल रहा था। बात बस इतनी है कि उन्होंने (वेस्टइंडीज ने) अपनी



योजना को अच्छे से लागू किया। गेंद थोड़ी उछल रही थी और उन्होंने फील्ड का भी बहुत अच्छा इस्तेमाल किया। इसलिए उन्हें इसका श्रेय मिलना चाहिए, उन्होंने अपनी रणनीति को एकदम सही तरीके से अंजाम दिया। श्रेयस ने यह भी माना

कि बीच के ओवरों में पिच गेंदबाजों के अनुकूल हो गई थी, क्योंकि गेंद थोड़ी रुक कर आ रही थी और उसमें उछाल भी ज्यादा था। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि पांचवां (T20I) मैच काफी दिलचस्प होगा। जाहिर है, 220 रन बनाना —

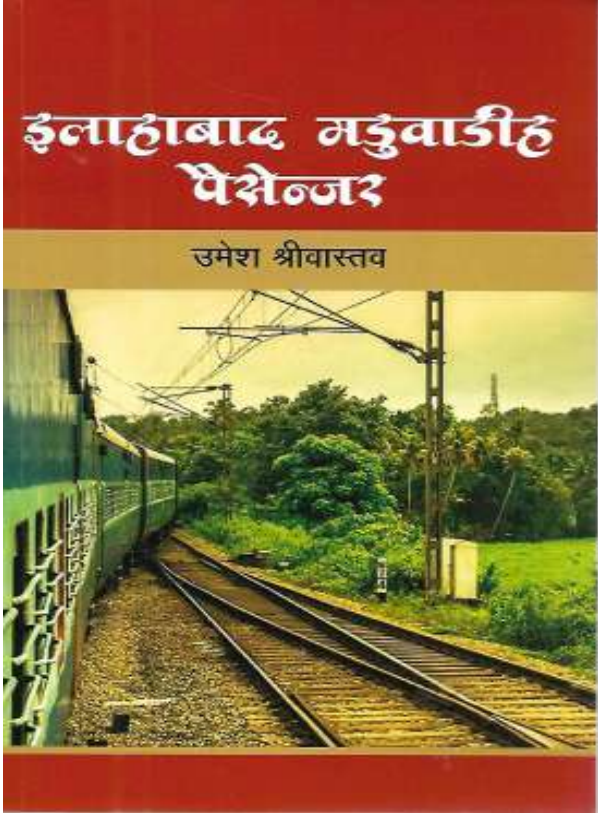
खासकर तब जब हम लक्ष्य का पीछा कर रहे हों — और फिर (दूसरे T20I में) 250 रन बनाना, इससे हर खिलाड़ी की सोच और रवये का पता चलता है। इसलिए, हमारा अप्रोच वही रहेगा, और मुझे लगता है कि आगे भी हमें अपनी रणनीति को अच्छे से लागू

करने और सही माइंडसेट रखने की जरूरत होगी। इस जीत के साथ सीरीज 2-2 से बराबर हो गई है। अब 17 अक्टूबर को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक रोमांचक निर्णायक मुकाबला खेला जाएगा।

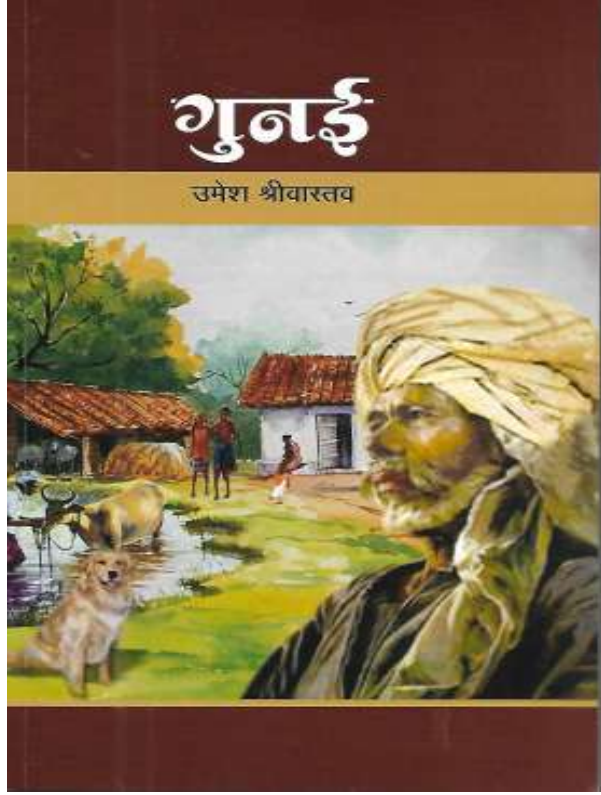
सीरीज बराबर करने के इरादे से साउथ अफ्रीका का मास्टरस्ट्रोक, Team Squad में बड़ा बदलाव

दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। यह टेस्ट 18 अक्टूबर से गेबेरहा में शुरू होगा। ट्रिस्टन स्टब्स की जगह मैथ्यू ब्रेटज़के को टीम में शामिल किया गया है, जबकि विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी रयान रिकेल्टन के संभालने की उम्मीद है। टीम में किए गए इन बदलावों से दक्षिण अफ्रीका को एक अतिरिक्त विशेषज्ञ बल्लेबाज को शामिल करने का मौका मिल सकता है। पहले टेस्ट में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, टीम अपनी बल्लेबाजी लाइनअप को मजबूत करना चाहती है। बाएं हाथ के बल्लेबाज टोनी डी जोरजी अभी भी उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि वे बाएं हैमरिट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा पहले टेस्ट से बाहर रहने के बाद

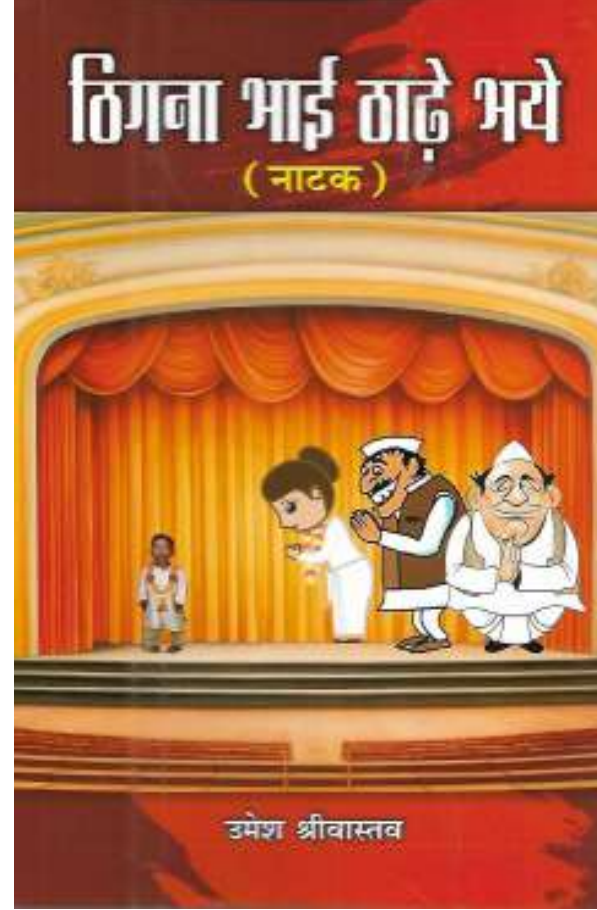
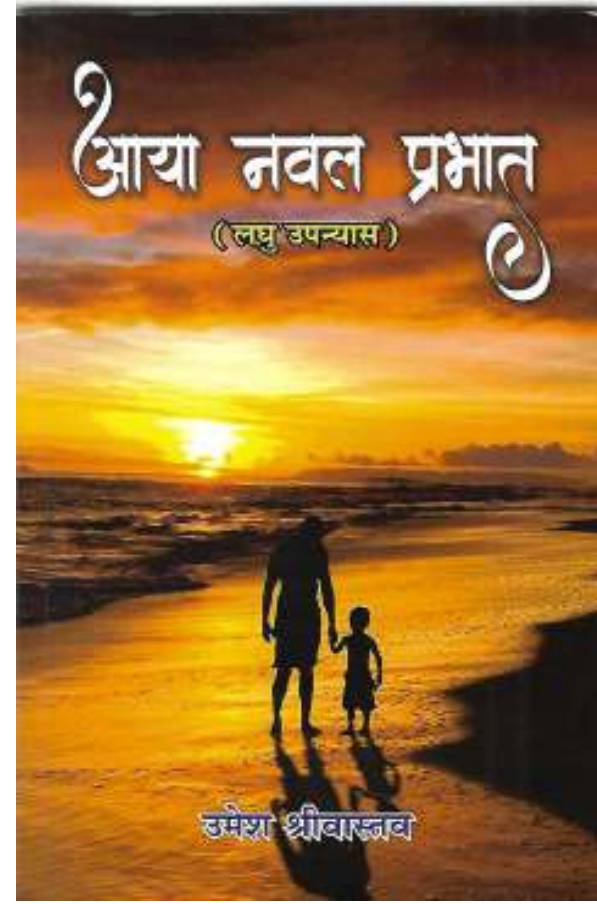
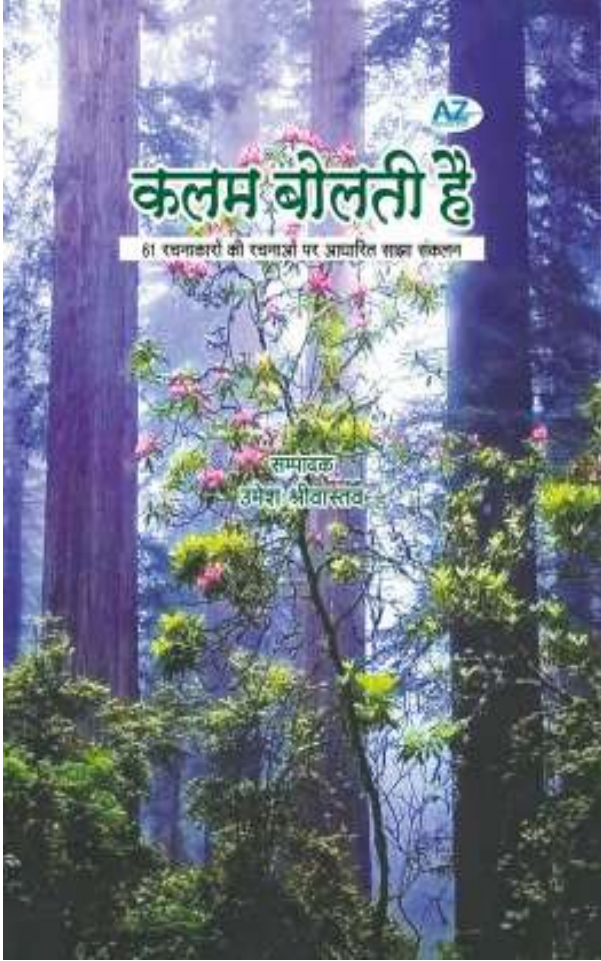
प्लेइंग १८ में वापसी कर सकते हैं, जिससे दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण और मजबूत हो सकता है। डरबन में खेले गए सीरीज के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को 214 रनों से हार का सामना करना पड़ा था, और अब वे गेबेरहा में सीरीज बराबर करने की कोशिश करेंगे। पहले टेस्ट में मिली हार के बाद स्टब्स को टीम से बाहर कर दिया गया। उन्होंने उस मैच में 32 और 1 रन बनाए थे, जबकि लगभग 11 महीने पहले भारत के खिलाफ अपनी पिछली टेस्ट पारी में उन्होंने शानदार 94 रन बनाए थे। ब्रीटज़के, जो दक्षिण अफ्रीका के लिए दो टेस्ट मैच खेल चुके हैंकृअक्टूबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ और जुलाई 2025 में जिम्बाब्वे के खिलाफकूउन्होंने इन मैचों में कुल 14 रन ही बनाए हैं, लेकिन फर्स्ट-क्लास



समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेन्जर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

यूक्रेन ने रूस के रियाजान तेल

रिफाइनरी पर दागे ड्रोन और मिसाइलें

यूक्रेन ने रूस की एक तेल रिफाइनरी पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। मॉस्को और कीव के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ये हमले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के उस बयान के कुछ घंटे बाद हुए जिसमें उन्होंने कहा था कि ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमलों



को लेकर हुआ संक्षिप्त संघर्षविराम समाप्त हो गया है। इस बीच, अमेरिका के साथ तनाव भी बढ़ रहा है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन ने बृहस्पतिवार तड़के मॉस्को के दक्षिण-पूर्व में स्थित रियाजान क्षेत्र की एक तेल रिफाइनरी पर बड़ा हमला किया। मंत्रालय के अनुसार, हवाई रक्षा प्रणालियों ने रिफाइनरी को निशाना बनाकर दागी गई यूक्रेन की चार ‘फ्लेमिंगो’ मिसाइलों और 69 ड्रोन को मार गिराया। हालांकि, ड्रोन के मलबे से रिफाइनरी में आग लग गई। यूक्रेन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर पुष्टि की कि यूक्रेन ने रात में किए गए हमले के दौरान रियाजान स्थित तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया।

प्रमिला जयपाल ने भारत की Voter List से

13 करोड़ नाम हटने पर जताई चिंता

वाशिंगटन। भारतीय मूल की अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल ने भारत में मतदाता सूची के मसौदे से 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाने की खबरों पर चिंता जताई है। जयपाल ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में बुधवार को कहा, “भारत सरकार द्वारा 13 करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाने की कार्रवाई को लेकर मैं बेहद चिंतित हूं।” इस मुद्दे पर किसी अमेरिकी सांसद की ओर से यह पहली टिप्पणी है। वाशिंगटन राज्य से डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद जयपाल ने भारत में “लोकतंत्र विरोधी प्रयासों” का मुकाबला करने के लिए किए जा रहे अहिंसक विरोध प्रदर्शनों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत में हो रहे घटनाक्रम अमेरिका में ट्रंप प्रशासन द्वारा लोकतंत्र में मतदान के अधिकारों को कमजोर करने के लिए अपनाए जा रहे तरीकों जैसे प्रतीत होते हैं। जयपाल ने कहा कि हर जगह लोकतंत्र की रक्षा करना बेहद जरूरी है और भारतीय नागरिकों को भी अमेरिकियों की तरह स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव का अधिकार है। उन्होंने कहा, “ऐसे समय में अहिंसक प्रतिरोध आंदोलन बेहद जरूरी हैं। मैं भारत में लोकतंत्र विरोधी प्रयासों का मुकाबला करने के लिए अहिंसक विरोध प्रदर्शन कर रहे भारतीय लोगों के साथ खड़ी हूं।” भारत निर्वाचन आयोग के साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के पहले और दूसरे चरण के दौरान मसौदा मतदाता सूचियों से करीब 7.2 करोड़ नाम हटाए गए। एसआईआर के तीसरे चरण के तहत 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियां प्रकाशित की गई हैं। इस चरण में हटाए गए मतदाताओं की संख्या 6.16 करोड़ है। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि यदि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान किसी पात्र मतदाता का नाम अनजाने में छूट गया है, तो वह दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया के तहत नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकता है।

पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर संकट, HRFP की REAT Helpline पर आई 900 से अधिक कॉल

पाकिस्तान में मानवाधिकारों को लेकर लगातार बनी हुई चिंताएं, खासकर धार्मिक अल्पसंख्यकों और हाशिए पर मौजूद समुदायों से जुड़ी समस्याएं, जमीनी स्तर पर मजबूत वकालत, पीड़ितों की सहायता और जवाबदेही की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। हाल ही में, ह्यूमन राइट्स फोकस पाकिस्तान ने फैसलाबाद में मानवाधिकार दस्तावेजीकरण और वकालत से जुड़ी एक परियोजना का समापन किया। HRFP ने ताइवान फाउंडेशन फॉर डेमोक्रेसी के साथ मिलकर ह्यूमन राइट्स डिफेंडर्स नेटवर्क की 14वीं बैठक आयोजित की। इसके बाद, संस्था की परियोजना हाशिए पर मौजूद लोगों के लिए मानवाधिकार दस्तावेजीकरण, तथ्य—खोज और वकालत—प्श के समापन और प्रतिबद्धता दोहराने का कार्यक्रम हुआ। इस आयोजन में मानवाधिकार रक्षक, नागरिक समाज के प्रतिनिधि, सरकारी और पुलिस अधिकारी, पत्रकार, वकील और अन्य हितधारक शामिल हुए। इसके अलावा, विभिन्न शहरों से कई प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से भी इस कार्यक्रम से जुड़े। जनवरी 2025 में अपने पहले चरण के बाद, अप्रैल 2026 में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य फ़ैक्ट—फाइंडिंग मिशनों, मामलों के दस्तावेजीकरण, क्षमता—निर्माण सत्रों, जागरुकता अभियानों और वकालत के प्रयासों के माध्यम से मानवाधिकारों की निगरानी को मजबूत करना था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित

शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र

समस्त जनपदों में • तहसील • ब्लॉक / शहर में

सुहरा अवसर

भर्ती - निम्न पदों हेतु

- ब्यूरो प्रमुख
- चैफ़ रिपोर्टर
- संवाददाता
- प्रतिनिधि मण्डल

समाचार संकलन एवं ब्यूरो संचालन हेतु

क्षेत्रीय रिपोर्टिंग व समाचार कवरेज हेतु

स्थानीय समाचार, घटनाओं की रिपोर्टिंग हेतु

जिला/तहसील/ब्लॉक स्तर पर प्रतिनिधित्व हेतु

आकर्षक वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी

पात्रता एवं विवरण

- पत्रकारिता में स्नातक स्तर पर उपाधि/न्यूनतम दोनो आवेदन कर सकते हैं
- स्थानीय स्तर पर भी समाचार और रिपोर्टिंग में अनुभव आवश्यक
- तत्काल जुड़ने के इच्छुक उम्मीदवार को पत्रकारिता

संपर्क सूत्र:

919005239332 919450482227

संपर्क करें: शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र कार्यालय, प्रयागराज

हमारे साथ जुड़ें और पत्रकारिता में बनाएं अपना भविष्य !

पाकिस्तान के पेशावर में निजी स्कूल की छत ढहने से 29 बच्चों समेत 30 की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर के दीर कॉलोनी इलाके में गुरुवार को एक निजी स्कूल की छत गिरने से कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 29 बच्चे और एक महिला शिक्षिका शामिल हैं। हादसे में कई बच्चे घायल भी हुए हैं। घटना के बाद पुलिस ने स्कूल के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि इमारत की ऊपरी मंजिल की छत नीचे की मंजिल पर गिर गई। इससे पहली मंजिल की छत भी ढह गई और कक्षाओं में बैठे बच्चे मलबे के नीचे दब गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा—तफरी मच गई और बचाव दल ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। बचाव अधिकारियों के अनुसार



छत गिरने के बाद कई बच्चे मलबे में फं स गए थे। राहतकर्मियों ने मलबा हटाकर घायलों और मृतकों को बाहर निकाला। घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों में एंबुलेंस और बचावकर्मी बच्चों को अस्पताल

पहुंचाते दिखाई दिए। लेडी रीडिंग अस्पताल (एलआरएच) प्रशासन ने शुरुआत में चार लोगों की मौत की जानकारी दी थी। बाद में अस्पताल ने बताया कि वहां 28 बच्चों के शव लाए गए हैं। इनमें छह

लड़कियां भी शामिल हैं। दो अन्य शवों को नसीरुल्लाह खान बाबर मेमोरियल अस्पताल भेजा गया। हादसे में 20 बच्चे घायल हुए हैं। एक महिला शिक्षिका का शव भी अस्पताल लाया गया। पेशावर के डिप्टी कमिश्नर ने

ढाका में ढाकेश्वरी मंदिर से लेकर गांवों तक, बांग्लादेश में दुर्गा पूजा का भव्य उल्लास



रहा है। राजधानी ढाका में लगभग 258 पूजाएं आयोजित की जाएंगी, जो पिछले साल की 261 पूजाओं की तुलना में थोड़ी कम हैं। इन आंकड़ों में मूर्तियों की पूजा और घरों में होने वाले आयोजन, दोनों शामिल हैं, जो यह दिखाते हैं कि यह त्योहार अलग—अलग समुदायों के बीच कितने व्यापक स्तर पर मनाया जाता है। बांग्लादेश पूजा सेलिब्रेशन कमिटी के महासचिव, संतोष शर्मा ने बताया कि इस साल दुर्गा पूजा का उत्सव बहुत उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। बांग्लादेश सरकार द्वारा सार्वजनिक अवकाश को एक दिन और बढ़ाने के फैसले से भी लोगों का उत्साह

को बताया इस साल, बहुत से लोग ढाका और अन्य बड़े शहरों को छोड़कर अपने गांवों की ओर लौट रहे हैं। इसलिए, इस साल त्योहार का उत्साह और भी ज्यादा है। ढाका और अन्य शहरी केंद्रों से लोगों का गांवों और अपने गृह नगरों की ओर जाना उत्साह को और बढ़ा रहा है। परिवार एक साथ त्योहार मनाने की तैयारी कर रहे हैं, और श्रद्धालु आने वाले पूजा के दिनों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह उत्सव सीमाओं के पार से भी लोगों को जोड़ रहा है; भारत से कई लोग इस त्योहार का अनुभव लेने और इसकी धार्मिक परंपराओं में शामिल होने के लिए बांग्लादेश आ रहे हैं। इनमें कोलकाता की रहने वाली 82 वर्षीय शिक्षा रानी दास भी शामिल हैं, जो इस साल दुर्गा पूजा मनाने के लिए बांग्लादेश आई हैं। दास अमी ढाका के ढाकेश्वरी राष्ट्रीय मंदिर में पूजा पंडालों का दौरा कर रही हैं और त्योहार मनाने के सिलसिले को आगे बढ़ाने के लिए राजधानी से बाहर सिलहट जाने की योजना बना रही हैं।

भारतीयों को निशाना बनाने की खतरनाक साजिश नाकाम

हिंदू मंदिर पर हमले की योजना बनाने वाला श्वेत वर्चस्ववादी गिरफ्तार

अमेरिका के शिकागो से एक बेहद चौंकाने वाली और खौफनाक खबर सामने आई है। 11 अक्टूबर को 19 साल के एक युवक ने शिकागो के सबसे बड़े हिंदू मंदिर में प्खड़ी संख्या में भारतीयों को मारनेे की साजिश रची थी। गनीमत यह रही कि अंतिम समय में उसकी राइफल में तकनीकी खराबी आ गई और उसके एक सहकर्मी की सूझबूझ के चलते पुलिस ने समय रहते उसे दबोच लिया, जिससे एक बड़ा नरसंहार टल गया। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब भारतीय—अमेरिकी समुदाय नवरात्रि के पहले दिन के जश्न की तैयारियों में जुटा हुआ था। आरोपी की



पहचान टैको बेल में कैशियर के रूप में काम करने वाले एलेक्जेंड्रोस पैपोराकिस के रूप में हुई है, जिसे पुलिस ने तुरंत गिरफ्तार कर लिया। इस घटना ने पश्चिमी देशों में धीरे—धीरे पैर पसार रहे हिंसक श्वेत वर्चस्ववादी विचारधारा के छिपे हुए खतरे को बेनकाब कर दिया है। द वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, पैपोराकिस ने श्री वेंकटेश्वर स्वामी बालाजी मंदिर को अपना निशाना बनाया था। रविवार के दिन इस मंदिर में हजारों (अनुमान के मुताबिक 3,000 से ज्यादा) श्रद्धालु आते हैं। पिछले हफ्ते नवरात्रि का जश्न शुरू होने के कारण, 11 अक्टूबर को वहां लोगों की भीड़ और भी ज्यादा रही होगी। यह साफ नहीं है कि पैपोराकिस ने जानबूझकर इसी तारीख को चुना

था ताकि वह कोई बड़ा नरसंहार कर सके। इस घटना ने जुलाई 2025 में यूटा के इस्कॉन श्री श्री राधा कृष्ण मंदिर में हुई गोलीबारी की यादें ताजा कर दी हैं। उस मामले में मंदिर पर दो दर्जन से ज्यादा गो依ियां चलाई गई थीं, जिससे मंदिर को काफी नुकसान पहुंचा था। इसे हेट क्राइम (नफरत से प्रेरित अपराध) माना गया था, हालांकि उस घटना में कोई घायल नहीं हुआ था।

भारतीयों को मारने की अमेरिकी युवक की साजिश के बारे में हम क्या जानते हैं?

अदालत में पेश किए गए दस्तावेजों और उसके सहकर्मियों के बयानों से पता चलता है कि पैपोराकिस काम की जगह पर खुद को खुले तौर पर श्वेत वर्चस्ववादीर बताता था। अभियोजकों के अनुसार, उसने श्टेको बेलर में अपने सहकर्मियों से यह भी कहा था कि वह प्भारतीयों को मारने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता और रविवार का दिन एक खास दिन होने वाला है। जाहिर है, उसके सहकर्मियों ने उसकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया।

आखिरकार, पैपोराकिस की उम्र सिर्फ 19 साल है। देखने में वह अपनी उम्र से भी काफी छोटा लगता है। लेकिन 11 अक्टूबर को, मासूम चेहरे वाला यह युवक किसी युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार होकर निकला था। NBC की एक रिपोर्ट के अनुसार, पैपोराकिस एक मॉडिफाइड 1८-स्टाइल राइफल लेकर पैलेटाइन में अपनी माँ के घर से 40 मील दूर स्थित एक बड़े मंदिर की ओर गया। उसका मकसद बड़े पैमाने पर लोगों की जान लेना था। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। कोर्ट के रिकॉर्ड के मुताबिक, जब पैपोराकिस ने ट्रिगर दबाया, तो बंदूक नहीं चली — वह जाम हो गई। फिर भी, पैपोराकिस ने अपना इरादा नहीं बदला। वह वापस अपनी माँ के घर गया और इंटरनेट पर खोजा कि राइफल को कैसे ठीक (अनजाम) किया जाए। उसने अपने एक सहकर्मी को भी फोन किया और उसे बताया कि वह बड़े पैमाने पर गोलीबारी (मास शूटिंग) करने की योजना बना रहा है। फोन कॉल के बाद, 19 वर्षीय युवक ने सिग्नल ऐप पर उस सहकर्मी को मैसेज किया। उसने राइफल की तस्वीरें भेजीं और बताया कि ट्रिगर दबाने पर बंदूक कैसे नहीं चली। उसने टैक्टिकल वेस्ट (सुशुखा जैकेट) पहने हुए अपनी एक फोटो भी भेजी। वह फोन कॉल और उसके बाद भेजे गए मैसेज बहुत अहम साबित हुए। रिपोर्ट्स के अनुसार, उस सहकर्मी ने पुलिस को सतर्क कर दिया। इससे पहले कि पैपोराकिस वापस मंदिर पहुंच पाता, पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

जांचकर्ताओं ने जब उसके घर की तलाशी ली, तो उसकी तैयारियों का एक खौफनाक सच सामने आया और उसके कट्टर विचारों का पता चला। जांचकर्ताओं को 300 राउंड कारतूस मिले — जो 10 मैगजीन भरने के लिए काफी थे।

बताया कि मलबे में फंसे सभी लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। कैपिटल सिटी पुलिस ऑफिसर डॉ. मियां सईद ने बताया कि हादसे के बाद निजी स्कूल के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। स्कूल का संचालन एक ट्रस्ट के तहत किया जा रहा था। इसके पूर्व उन्होंने बताया था कि छत गिरने की घटना में 40 से अधिक लोग घायल हुए हैं। हादसे के कारणों और इमारत की स्थिति को लेकर जांच की जा रही है। प्रांतीय शिक्षा सचिव इनायतुल्लाह वसीम ने निजी स्कूल नियामक प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक को निर्देश दिया है कि वे घटना पर अगले दिन तक रिपोर्ट सौंपें। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों और शिक्षकों के परिवारों के प्रति

सऊदी अरब में उड़ानें रद्द होने से फंसे उमरा यात्रियों, भारत ने मक्का में शुरू किया कंट्रोल रूम

भारत और सऊदी अरब के बीच उड़ानें प्रभावित होने के कारण वहां फंसे भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से उमरा यात्रियों की मदद के लिए भारत ने मक्का में एक अतिरिक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। जेद्दा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने यह जानकारी दी। यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से सऊदी अरब में असेन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए कई घातक ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, जिससे देशभर में उड़ानें प्रभावित हुई हैं। वाणिज्य दूतावास ने बुधवार को बताया कि नया नियंत्रण कक्ष मक्का स्थित भारतीय



हज यात्री कार्यालय (आईएचपीओ) में स्थापित किया गया है और जेद्दा में पहले से मौजूद चौबीसों घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष भी अपनी सेवाएं जारी रखेगा। इससे पहले मंगलवार को वाणिज्य दूतावास ने भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से जेद्दा और मदीना आने—जाने वाले उमरा यात्रियों को सलाह दी थी कि वे अपनी विमानन कंपनियों के नियमित संपर्क में रहें और हवाई अड्डे के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जरूर पता कर लें। उमरा इस्लाम की एक धार्मिक परंपरा है, जिसे साल में किसी भी समय किया जा सकता है, जबकि हज यात्रा साल में एक निश्चित समय पर होती है। उमरा के लिए श्रद्धालु सऊदी अरब के मक्का जाते हैं, जो इस्लाम का सबसे पवित्र शहर है। वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया

प्रतापगढ़ ब्यूरो

शरद कुमार श्रीवास्तव

7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक

स्व.कन्हैया लाल

स्व.श्रीमती साधना

सम्पादक

उमेश चंद्र श्रीवास्तव

प्रबन्ध सम्पादक

अरविन्द पाण्डेय

संयुक्त सम्पादक

अनंत श्रीवास्तव

संयुक्त सम्पादक

(तकनीकी)

केशव श्रीवास्तव

विधि सलाहकार

कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा

कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज,

विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई

लूकरांज, इलाहाबाद से

मुद्रित कराकर

289/238ए,कर्नलगंज

इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।